TNF® TODAY | टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday | tnftoday
www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | दोषी आंदोलनकारियों पर हो देशद्रोह का मुकदमा... (पेज-3) | पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-36 | मूल्य ₹7 | मंगलवार | दिनांक- 04.08.2026

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का 92वाँ दीक्षांत समारोह

तकनीक, संस्कार, नवाचार और महिला सशक्तिकरण का ऐतिहासिक महाकुंभ

- शताब्दी वर्ष में 79,832 उपाधियों का वितरण
- 88 में से 63 पदकों पर बेटियों का कब्जा
- 1002 बालिकाओं का हुआ निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का 92वाँ दीक्षांत समारोह सोमवार को स्वामी विवेकानंद (खंदारी) परिसर स्थित 'शिवाजी मंडपम' में अत्यंत गरिमामय, अनुशासित एवं भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय की 100 वर्षों की ऐतिहासिक एवं गौरवशाली यात्रा (शताब्दी वर्ष) के अंतर्गत आयोजित यह समारोह ज्ञान, संस्कार, नवाचार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्वितीय संगम बना।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, राज्य मंत्री रजनी तिवारी तथा पश्चिम बंगाल के पारंपरिक गोल्डन ग्रास (मदुर) शिल्पकार अर्धेंदु शेखर दास मंचासीन रहे। समारोह का संचालन कुलसचिव अजय मिश्रा एवं जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना ने किया, जबकि कुलपति प्रो. आशु रानी ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

हस्तनिर्मित बुके से अतिथियों का स्वागत एवं रंग-बिरंगी झलकियाँ

आत्मनिर्भरता की मिसालः अतिथियों का स्वागत गृह विज्ञान संस्थान की छात्राओं (हेमांशाली चौधरी, श्रुति, स्नेहा, अमन एवं श्रेया) द्वारा डॉ. प्रीति यादव के मार्गदर्शन में पाइप क्लीनर, बीजी, टेप, कोरियन पेपर एवं स्पंज से तैयार इको-फ्रेंडली हस्तनिर्मित फ्लावर बुके भेंट कर किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँः विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल के छोटे बच्चों ने "पर्यावरण गीत" तथा छाते एवं अन्य माध्यमों से पर्यावरण संरक्षण पर मनोहारी प्रस्तुतियाँ दीं।

भावुक क्षण एवं दुलारः मेधावियों की सफलता देख उनके अभिभावक भावुक हो उठे। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मंच से ही बच्चों को दुलारा और चॉकलेट वितरित की।

1002 बालिकाओं का निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण व पोषण बास्केट

समारोह के प्रमुख आकर्षण के रूप में कुलाधिपति ने परिसर में आयोजित एचपीवी टीकाकरण शिविर का निरीक्षण किया।

कैंसर रोधी सुरक्षा चक्रः मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं प्रो. आशु रानी के सहयोग से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 1002 बालिकाओं का सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु निःशुल्क टीकाकरण किया गया।

विशेष पोषण बास्केटः आइसीएमआर के मानकों के अनुरूप गृह विज्ञान संस्थान द्वारा तैयार रागी न्यूट्री बिस्किट, मोरिंगा सोरघम मठरी, चोको नट कैंडी, आंवला कैंडी, कैरामेलाइज्ड गुड़ मखाना और हेल्दी शिकंजी युक्त 'पोषण बास्केट' बालिकाओं को उपहार स्वरूप दी गई।

सराहना व प्रशस्ति पत्रः कुलाधिपति ने टीकाकरण कराने वाली बालिकाओं को प्रमाण पत्र दिए तथा उत्कृष्ट स्वास्थ्य अभियान के लिए सीएमओ डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

-संबंधित खबर पृष्ठ 8 पर

'समस्या का समाधान बने आपकी शिक्षा, बेटियाँ लिख रही हैं नया इतिहास': आनंदीबेन पटेल

नारी शक्ति का परचमः मेधावी विद्यार्थियों में बेटियों के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि 88 में से 63 पदक बेटियों के नाम होना समाज में सकारात्मक बदलाव और उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। नदियों से कचरा/फूल निकालकर हस्तशिल्प बनाने वाली महिलाओं तथा आइएएस की तैयारी छोड़कर 2,500 महिलाओं को रोजगार देने वाले युवाओं की मिसाल देते हुए उन्होंने इनोवेशन और 'वेस्ट टू वेल्थ' को अपनाने का आह्वान किया। नशामुक्त समाज, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पर्यावरण संरक्षण हेतु 'एक पेड़ माँ के नाम' और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को किट वितरण जैसी पहलों पर बल दिया।

दीक्षांत है, शिक्षान्त नहीं; संस्कारयुक्त शिक्षा ही चरित्र का आधारः योगेन्द्र उपाध्याय

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है। प्राप्त उपाधि केवल नौकरी का साधन नहीं, बल्कि समाज के प्रति दायित्व का माध्यम है। युवाओं से आह्वानः छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य और डॉ. बी.आर. आंबेडकर के सामाजिक न्याय के विचारों को याद करते हुए उन्होंने युवाओं को अभिव्यक्ति की मर्यादा बनाए रखने और प्रधानमंत्री के नशामुक्त भारत अभियान से जुड़ने का आहवान किया।

मुक्ता से राज्यपाल बोली सास नहीं आई है...

दो गोल्ड मेडल जीतने पर थप थपाई पीठ, परिवार हुआ गर्वित

टीएनएफ टुडे, बाह।

सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा से एमकॉम करने वाली टीचर्स कॉलोनी बाह की छात्रा मुक्ता शर्मा को डीबीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सोमवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने दो स्वर्ण पदक प्रदान किए। स्वर्ण पदक लेने के दौरान राज्यपाल ने मुक्ता शर्मा से पूछा कि सास नहीं आई है। मुक्ता की उन्होंने पीठ थप थपाई। ज्ञानदीप शर्मा की बेटी मुक्ता शर्मा ने डॉ. कान्ति स्वरूप सिंघल स्मृति स्वर्ण पदक, कपूर चन्द गोयल स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया है। उन्होंने इसी साल एमकॉम की परीक्षा 84 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर उत्तीर्ण की है। मुक्ता शर्मा की कामयाबी पर दादा प्रयाग नरायन शर्मा, पिता ज्ञानदीप शर्मा ने बताया कि बेटी की उपलब्धि से परिवार गर्वित है। बाह की विधायक पक्षालिका सिंह, पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह, हृदय नरायन शर्मा, देवेन्द्र सिंह चौहान, मुदस्सिर हुसैन, विनोद जैन ने क्षेत्र का गौरव बढ़ाने के लिए खुशी का इजहार कर मुक्ता शर्मा को बधाई दी है।

प्रेम विवाह का खौफनाक अंत

कोर्ट मैरिज से नाराज थे घरवाले, बेटी की गला घोंटकर हत्या

- कमरे में पड़ा था खून से लथपथ शव, गले में कसा था रस्सी, ब्लाउज और दुपट्टे का फंदा
- क्षेत्र के रहने वाले कथित आईटीबीपी के जवान से किया था प्रेम विवाह, पिता गिरफ्तार, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

युवती का फाइल फोटो

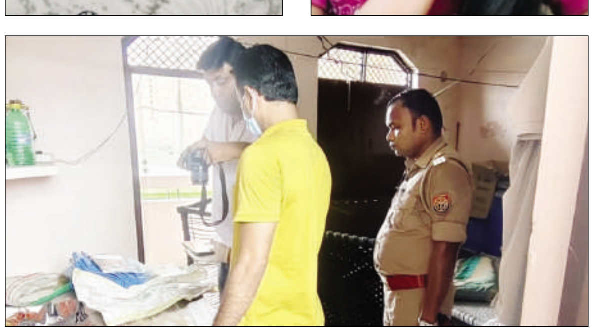

टीएनएफ टुडे, बाह।

जैतपुर के नंदगवा रोड स्थित प्रताप नगर में रविवार देर रात कोर्ट मैरिज करने वाली अंकिता शर्मा (22) की पिता ने गला घोंट कर हत्या कर दी। मौके पर पहुंचे पुलिस और पड़ोसियों को कमरे में अंकिता का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। मृतका के गले में रस्सी, ब्लाउज एवं दुपट्टे का फंदा कसा हुआ था। प्रेम विवाह के खौफनाक अंत का मंजर देखने वालों की भी रूह कांप गई। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

हत्या के आरोप में उसके पिता विमल शर्मा को गिरफ्तार किया है। फोरेंसिक टीम ने मौके पर साक्ष्य जुटाए हैं। शिकोहाबाद के सहसपुर गांव के मूल निवासी विमल शर्मा बीते 15 साल से जैतपुर के नंदगवा रोड स्थित प्रताप नगर में अपने परिवार के साथ किराए के घर में रह रहे हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि अंकिता शर्मा एवं जैतपुर के एक गांव के रहने वाला आईटीबीपी का जवान एक-दूसरे को जानते थे। दोनों ने परिवार की सहमति के बिना फरवरी में कोर्ट मैरिज कर ली थी। तब से अंकिता अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। एक सप्ताह पूर्व पड़ोसियों एवं समाज के लोगों से विमल शर्मा को बेटी की कोर्ट मैरिज की जानकारी हुई तो घरवाले आक्रोश में आ गये थे। पड़ोसी अनुज कुमार ने जैतपुर थाने में दी तहरीर में कहा है कि रविवार रात 12.30 बजे विमल शर्मा के घर से चीखने की आवाजें आई तो जागे पड़ोसी घर के बाहर जमा हो गये। खुलवाने को दरबाजा खटखटाया तो घर की लाइटें बंद हो गई, छत पर कुछ लोग भागते हुए दिखे। दरबाजा न खुलने पर 112 नंबर डायल किया, पुलिस के आने के बाद विमल शर्मा ने दरबाजा खोला। चीखने की आवाज के बारे में पूछा तो विमल शर्मा सकपका गया। डरते हुए पुलिस एवं पड़ोसियों को छत पर बने कमरे में ले गया। कमरे के अंदर अंकिता अचेत पड़ी थी, मुंह खून से सना था, गले में रस्सी, ब्लाउज एवं दुपट्टे का फंदा कसा था। आनन फानन में पुलिस ने अंकिता को उपचार के लिए सीएचसी जैतपुर पर भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

सामने नहीं आए जवान के परिजन

जिस आईटीबीपी के जवान से अंकिता शर्मा की कोर्ट मैरिज का पड़ोसी दावा कर रहे हैं। अंकिता की हत्या के 12 घंटे बाद भी आईटीबीपी के जवान के परिजन सामने नहीं आए हैं। जिस युवक से अंकिता ने कोर्ट मैरिज की है, उसके परिजनों से संपर्क हुआ या नहीं? पूछे जाने पर पुलिस ने बताया कि मृतका के पिता को भी नहीं पता है कि किस लड़के से बेटी ने कोर्ट मैरिज की है। अब तक युवक के परिजन भी सामने नहीं आए हैं।

> अंकिता शर्मा की कोर्ट मैरिज से परिवार असंतुष्ट था, हिरासत में लिए गये मृतका के पिता ने आक्रोश में हत्या किए जाने की बात स्वीकारी है। पुलिस सभी पहलुओं की सघनता से जांच कर रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्य एवं तथ्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई होगी। हत्या की साजिश में अन्य परिजनों की कोई भूमिका थी या नहीं, की भी जांच की जा रही है।
>
> **- अभिषेक कुमार अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन आगरा,**

पड़ोसी की तहरीर पर पिता विमल शर्मा के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी बाह जितेन्द्र कुमार ने बताया कि हत्यारोपी ने अपना जुर्म कबूल किया है। उसने प्रेम विवाह के आक्रोश में बेटी की हत्या की बात स्वीकारी है।

9 दिन के लिए बंद हो रहे हैं इन जिलों के स्कूल

एजेंसी, लखनऊ।

सावन का पवित्र महीना शुरू हो गया है और देशभर के मंदिरों में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने वाले भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। हर साल हाईवे और शहर की सड़कों पर भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए उत्तर प्रदेश के कई जिलों के प्रशासन ने स्कूल और कॉलेज कुछ समय के लिए बंद करने की घोषणा की है। कांवड़ यात्रा के कारण मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद और बरेली जिले में स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है।

यूपी के गाजियाबाद के जिला स्कूल निरीक्षक द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि फैसला जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशों के बाद लिया गया है। अन्य जिलों में भी निर्देश दे दिया गया है। यहां स्कूलों में छुट्टी से जुड़ी जानकारी और आगे खुलने की अपडेट्स दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी स्कूलों और ज्यादातर हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट को 4 से 12 अगस्त तक बंद रखने का निर्देश दिया गया है। कांवड़ यात्रा को देखते हुए गाजियाबाद प्रशासन ने घोषणा की है कि 4 अगस्त से 12 अगस्त तक सभी स्कूल बंद रहेंगे। जिला मजिस्ट्रेट ने कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों के लिए छुट्टी की घोषणा की है। यह फैसला ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

विख्यात शिक्षाविद् और पूर्व कुलपति डॉ. गिरीश चंद्र सक्सेना का निधन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शिक्षा, विज्ञान और विश्वविद्यालय प्रशासन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले विख्यात शिक्षाविद्, प्रसिद्ध शोध रसायनज्ञ, हिंदी विज्ञान साहित्यकार एवं लोकतंत्र सेनानी डॉ. गिरीश चंद्र सक्सेना का सोमवार सुबह नई दिल्ली स्थित मैक्स द्वारका अस्पताल में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। उनके निधन से शिक्षा जगत, वैज्ञानिक समुदाय और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को आगरा के ताजगंज स्थित इलेक्ट्रिक शवदाह गृह में राज्य सम्मान के साथ किया जाएगा।

डॉ. गिरीश चंद्र सक्सेना ने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा, शोध और उच्च शिक्षा के विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने आगरा के राजा बलवंत सिंह (आरबीएस) कॉलेज में रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष और बाद में प्राचार्य के रूप में लंबे समय तक सेवाएं दीं। उनके प्रशासनिक अनुभव और शैक्षणिक नेतृत्व के कारण उन्हें देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई। वर्ष 1998 से 2001 तक उन्होंने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य किया। इसके बाद 2001 से 2004 तक वे डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति रहे। उनके कार्यकाल में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और शैक्षणिक गुणवत्ता को नई दिशा मिली। डॉ. सक्सेना का योगदान केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहा। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के उच्च स्तरीय निकायों के सदस्य रहे। इसके अलावा कई केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलपति चयन समितियों में अध्यक्ष और सदस्य के रूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वे नैक पीयर टीम के अध्यक्ष भी रहे और देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता सुधार की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. गिरीश चंद्र सक्सेना अकार्बनिक एवं समन्वय रसायन के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोधकताओं में गिने जाते थे। उन्होंने 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए। इसके अलावा 60 राष्ट्रीय और 6 अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलनों का आयोजन एवं संचालन किया। उनके मार्गदर्शन में 51 शोधार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

डॉ. सक्सेना ने हिंदी में विज्ञान लेखन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विज्ञान को सरल भाषा में आमजन तक पहुंचाने के उनके प्रयासों को व्यापक सराहना मिली। हिंदी विज्ञान साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2017 में आत्माराम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने प्रदान किया था। वे इंडियन काउंसिल ऑफ केमिस्ट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे तथा अनेक राष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं से आजीवन जुड़े रहे। डॉ. गिरीश चंद्र सक्सेना केवल शिक्षाविद् ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी भी थे। वर्ष 1975 से 1977 के आपातकाल के दौरान उन्होंने शिक्षक आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्हें मीसा के तहत गिरफ्तार कर बरेली केंद्रीय कारागार में निरुद्ध किया गया। लोकतंत्र की रक्षा के लिए उनके संघर्ष को देखते हुए उन्हें लोकतंत्र सेनानी के रूप में मान्यता प्रदान की गई। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष भी रहे और लंबे समय तक सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। डॉ. सक्सेना के निधन पर शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व कुलपति प्रो. राजेश धाकरे, प्रो. मनोज कुमार रावत, प्रो. ए.सी. गोयल, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. अमित अग्रवाल, प्रो. भूपेंद्र सिंह, शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, रोटरी क्लब के पी.एन. अस्थाना तथा नरेश सूद प्रमुख हैं।

आज होगा अंतिम संस्कार

परिजनों के अनुसार डॉ. गिरीश चंद्र सक्सेना का अंतिम संस्कार मंगलवार को ताजगंज स्थित इलेक्ट्रिक शवदाह गृह में राज्य सम्मान के साथ किया जाएगा।

शताब्दी वर्ष की चकाचौंध में इतिहास को भूला आगरा विविः पूर्व कुलपति डॉ. गिरीश सक्सेना की अनदेखी पर उठे गंभीर सवाल

आगरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय का 92वां दीक्षांत समारोह जहाँ एक ओर अपने गौरवशाली 100वें वर्ष के ऐतिहासिक पड़ाव और मेधावियों के सम्मान का गवाह बना, वहीं दूसरी ओर इसने प्रशासनिक और नैतिक संवेदनहीनता का एक बेहद दुखद उदाहरण भी पेश किया। महामहिम कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की गरिमामयी अध्यक्षता और ठउळए चेयरमैन डॉ. पंकज अरोड़ा की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुए इस भव्य आयोजन में, विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. गिरीश चंद्र सक्सेना के हालिया निधन पर एक मिनट का मौन या शोक संवेदना व्यक्त न करना बेहद स्तब्ध करने वाला है। वर्तमान कुलपति प्रोफेसर आशु रानी के नेतृत्व में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में लगभग 80 हजार छात्रों को उपाधियां वितरित की गईं। मंच से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, मूल्यों और गुरु-शिष्य परंपरा की बड़ी-बड़ी सीख दी जा रही थीं। लेकिन विडंबना देखिए कि जो विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 100 वर्ष का उत्सव मना रहा है, उसका प्रबंधन ₹मिनट-टू-मिनट₹ प्रोटोकॉल की दुहाई देकर अपने ही पूर्व शीर्ष नेतृत्व को श्रद्धांजलि देना भूल गया। पूर्व कुलपति केवल एक प्रशासनिक अधिकारी नहीं, बल्कि विवि की अकादमिक यात्रा की नींव होते हैं। दीक्षांत वितान की यह जगमगाहट और पदकों की चमक तब तक अधूरी और बेमानी है, जब तक संस्थान अपने अतीत, अपनी जड़ों और अपने मार्गदर्शकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना नहीं सीख लेता। विवि प्रशासन की यह गंभीर और ऐतिहासिक चूक लंबे समय तक अकादमिक गलियारों में सवाल बनकर गूंजती रहेगी।

संसद में आज फिर हंगामा, नीट, राममंदिर मुद्दों पर विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली। सोमवार को लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक पारित किया। यह विधेयक उस अध्यादेश की जगह लेगा जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई थी; यह कदम लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को लेकर जताई गई चिंताओं के बीच उठाया गया था। राज्यसभा ने भी ध्वनि मत से 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक' पारित किया। हालांकि, दोनों सदनों में आज भी हंगामा लगातार जारी रहा।

दोनों सदनों में आज क्या हुआ

राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विभिन्न विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही बाधित रही और दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर 10 मिनट पर ही बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, नीट प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित हो गई। ग्लासगो में संपन्न 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सोमवार को संसद के दोनों सदनों में बधाई दी गई। लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल खेलों में विभिन्न स्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। राज्यसभा में सभापति सी पी राधाकृष्णन ने ग्लासगो में संपन्न 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय दल को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियों ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय दल की ये उपलब्धियां नयी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा साबित होंगी।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन, यातायात प्रबंधन एवं दुर्घटना न्यूनीकरण के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गयी।

जनपद में ₹नो-हेलमेट, नो-फ्यूल₹ नीति को प्रभावी एवं कड़ाई से लागू किए जाने के निर्देश दिए गए। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया गया कि परिवहन विभाग, पुलिस विभाग एवं जिला प्रशासन के समन्वय से उक्त व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू कराना सुनिश्चित करें। पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि आईटीएमएस एवं भौतिक रूप से किए गए चालानों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करें। परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा किए गए चालानों में निहित शमन शुल्क/धनराशि की प्रभावी वसूली हेतु संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जाए। जिन वाहनों पर 50 से अधिक चालान लंबित हैं।

उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई को निर्देशित किया गया है। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आलोक अग्रवाल, सहायक पुलिस आयुक्त अलका, सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दो कारों पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश

अवैध खनन में लिप्त ट्रैक्टर चालक पर फायरिंग का भी आरोप

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत रायभा पुल के समीप सर्विस रोड पर सोमवार सुबह साढ़े 4 बजे तब सनसनी फैल गई, जब मिट्टी से भरे एक ट्रैक्टर ट्रॉली को दो कारों पर चढ़ाने का आरोप लगाया। गनीमत रही कि कार सवारों ने समय रहते गाड़ियों से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना को लेकर पीड़ितों ने बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्रैक्टर चालक के नामजद शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की है।

आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने पहले कार सवारों पर फायरिंग की और उसके बाद ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या करने का प्रयास किया। इससे हुंडई क्रेटा और स्विफ्ट डिजायर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे रायभा पुल के पास सर्विस रोड पर यह वारदात

हुई। मिट्टी से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली ने पहले एक क्रेटा और उसके ठीक बाद एक स्विफ्ट डिजायर कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ही कारें आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। गाड़ियों के परखच्चे उड़ते देख मौके पर चीख-पुकार मच गई। हालांकि कार में बैठे लोगों ने सूझबूझ दिखाई और फुर्ती से गाड़ी के दरवाजे खोलकर बाहर कूद गए। जिससे उनकी जान बच सकी। पीड़ित सुधीर कुंतल ने सूचना थाना प्रभारी अछनेरा को दी। आरोप है कि थाना प्रभारी मौके पर नहीं पहुंचे। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी गुस्सा देखा गया।

पुलिस पर गंभीर आरोप

शिकायत के बावजूद रात भर क्यों दौड़ते रहे अवैध खनन के ट्रैक्टर ट्रॉली। इस घटना ने क्षेत्रीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि लंबे समय से अवैध खनन का खेल चल रहा है। ग्रामीणों ने रविवार देर रात करीब 11 बजे ही अवैध खनन से संबंधित वीडियो और लिखित शिकायतें क्षेत्रीय पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) और सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के अधिकारिक सीयूजी नंबरों पर भेजी थीं। इसके बाद भी रात भर खनन से जुड़े ट्रैक्टर बेखौफ होकर सड़कों पर दौड़ते रहे। एसीपी अछनेरा शैलेन्द्र सिंह ने बताया की घटना की जानकारी है। थाना पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित सुधीर कुंतल ने शिकायत दी है। जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएंगी।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

अछनेरा। क्षेत्र के ग्राम ब्यारा में सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालु महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर गाजे-बाजे और भगवान के जयघोष के साथ पूरे गांव में नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में धार्मिक उत्साह और आस्था का विशेष वातावरण देखने को मिला। नगर भ्रमण के बाद नहर पुल के समीप स्थित मोनी बाबा आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा व्यास संत मेक श्याम महाराज प्रतिदिन श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का रसपान करा रहे हैं। कथा के प्रथम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया। आयोजकों ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन 9 अगस्त तक प्रतिदिन आयोजित होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की। इस अवसर पर परीक्षित मोहन कुंतल, ओमवती सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

दिनदहाड़े घर में घुसकर लाखों की चोरी

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव गढ़ी साबराय में सोमवार दोपहर को बंद मकान से नगदी, आभूषण चोरी कर लिए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वासो देवी पत्नी हरेंद्र निवासी गढ़ी साबराय थाना फतेहाबाद ने बताया कि सोमवार दोपहर 12:30 बजे के करीब वह घर का ताला लगाकर नहाने चली गई थी। जब वह 1 बजे के करीब वापस लौटी तो घर में सामान बिखरा हुआ पड़ा था। संदूक की कुंडी तोड़कर उसमें रखे अस्सी हजार रुपए की नगदी व दो जोड़ी, चांदी की पायल, सोने का पेंडल चोर चोरी कर ले गए हैं। महिला का कहना है कि चोर दीवार के सहारे घर के अंदर प्रवेश हुए। सूचना पर पहुंची फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लापता युवक का शव मिला

आगरा। दो दिन से लापता युवक का शव फतेहपुर सीकरी में मिला है। गांव मालौनी खुर्द धौलपुर राजस्थान से जयपुर के लिए निकले युवक का शव मिलने की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोप है कि मृतक के भाई राकेश ने पुलिस को मामले की जानकारी दी थी लेकिन पुलिस ने उसकी कोई सुनवाई नहीं की। राकेश ने कहा अज्ञात वाहन में बैठकर जा रहा था जयपुर। यूपी राजस्थान बॉर्डर पर उतारा। भाई ने हत्या की आशंका जताई है। फतेहपुर सीकरी पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली थाना फतेहपुर सीकरी कस्बा के गुलिस्तां होटल के मुख्य द्वार पर शव पड़ा मिला है।

प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत का संकल्प

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

राजकीय महाविद्यालय सैंया में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी संबोधन को सुनाया गया और नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के बाद शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ हुकुम सिंह के नेतृत्व में वॉकथॉन और योग सत्र का आयोजन किया गया। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित व्यायाम के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ विजय आनंद गौतम ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर योग, व्यायाम और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रविन्द्र कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और विकसित भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से हर प्रकार के नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।इस दौरान छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने नशा मुक्त रहने की सामूहिक शपथ ली। इस अवसर पर डॉ विशाल भास्कर, डॉ रेखा सुमन, डॉअनिल कुमार, डॉमनोज कुमार सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कांवड़ियों ने गंगाजल से किया भोले का अभिषेक

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच सोमवार सुबह चिंता हरण महादेव मंदिर के पट खुले तो दर्शन कर श्रद्धालु झूम उठे। भक्तों ने प्रभु का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। चिंता हरण भगवान के दर्शन के लिए रात्रि से ही भक्तों का हुजूम दिन भर उमडता रहा। श्रावण मास के पहले सोमवार को प्रभु के दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लाइन देखते ही बन रही थी। लोगों ने भी भगवान का जलाभिषेक किया सुख समृद्धि की कामना की।सोमवार को देर रात तक भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। ऐसे में कोई अपनी वारदात ना हो इसलिए सुरक्षा का भी व्यापक इंतजाम किया गया था। सर्वप्रथम वैदिक मंत्रोचार के साथ प्रभु का दूध दही, घृत, शहद और चंदन से अभिषेक किया फिर मंदिर के पट खोले। इसके बाद तो ओम नमः शिवाय और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ भक्त दर्शन में जुट गए।

वहीं पुराना हनुमान मंदिर स्थित महादेव मंदिर, हनुमान नगर स्थिति महादेव मंदिर, पुरानी तहसील स्थिति महादेव मंदिर तथा जमुना नदी स्थिति जोनेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह से ही भक्तों की सुबह से ही लम्बी-लम्बी लाइनों में हाथों में पूजा की थाली लेकर हर हर महादेव के उदघोष के साथ आगे बढ़ रहे थे। मंदिर में पहुंच कर अपने आराध्य भगवान आशुतोष पर जलाभिषेक कर भांग, धतूरा, चावल, रौली, चंदन, बेलपत्र, फल अर्पित कर पूजा अर्चना की गई। जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया।

जमीन के पट्टे आवंटित करने माँग

खेरागढ़। क्षेत्र के गांव दिगरोता के मजरा नगला व्रजा के रहने वाले प्रजापति (कुम्हार)समाज के आधा दर्जन लोग सोमवार को तहसील पहुंचे और एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर कुम्हारी कला के लिए जमीन के पट्टे आवंटित करने की मांग की। शिकायती पत्र में सोनवीर,पप्पू सरवन,किशन,दिलीप पवन आदि ने बताया कि गांव में कुम्हार परिवार वर्षों से मिट्टी के बर्तन बनाकर जीवनयापन करते आ रहे हैं। पहले किसानों की या अन्य जमीन से मिट्टी लेकर बर्तन बना लिया करते थे, किन्तु अब मिट्टी मिलना बंद हो जाने के कारण उनका पुश्तैनी रोजगार ठप होने की कगार पर पहुंच गया है। परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहरा रहा है। कहा कि यदि तहसील प्रशासन कुम्हारों के लिए मिट्टी निकालने हेतु जमीन या पट्टे उपलब्ध करा दे तो उनके परिवारों की आजीविका बनी रहेगी, और विलुप्त होती कुम्हारी कला भी संरक्षित रह सकेगी। अन्यथा बेरोजगारी के कारण सभी परिवारों को गांव से पलायन करना पड़ेगा।

सीडीओ ने किया जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण

आगरा। एकलव्य स्टेडियम में चल रहे जीर्णोद्वार कार्य का निरीक्षण सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी ने किया। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी (आपूर्ति) एवं क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर उपस्थित थे। काम कार्य कार्यदायी संस्था यूपी प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लि०, निर्माण इकाई -4 आगरा द्वारा किया जा रहा है। स्टेडियम में कुल 14 अवस्थापनाओं के सापेक्ष 11 अवस्थापानाओं पर कार्य चलता हुआ पाया गया। कार्य की प्रगति काफी धीमी थी। जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक अवस्थापना कार्य की समय सीमा निर्धारित करते हुए चार्ट तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गये। शूटिंग यार्ड में कार्य चलता हुआ नहीं पाया गया कार्यदायी संस्था को तत्काल वहां कार्य प्रारम्भ कर पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त टेबिल टेनिस कोर्ट, शौचलय एवं जिम कोर्ट में मौके पर कार्य चलता हुआ पाया गया। जिसे निर्धारित समय सीमान्तर्गत पूर्ण करने के निर्देश दिए गये। बास्केटबॉल, जिम्नास्टिक तथा बैडमिन्टन कोर्ट में खेल विशेषज्ञों की राय लेकर आधुनिक तकनीकि प्राविधानों को समाहित करते हुए कार्य गुणवत्तापूर्ण रूप से कराने के निर्देश दिए गये।

छात्र-छात्राओं को दी विधिक सहायता की जानकारी

आगरा। एमडी आयुर्वेदिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल, बाईपुर, सिकंदरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन सोमवार को पंकज कुमार-क सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को निःशुल्क विधिक सहायता, संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, महिला एवं बाल अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, साइबर अपराधों से बचाव, राष्ट्रीय लोक अदालत तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विद्यार्थियों को विधिक साक्षरता के महत्व से अवगत कराते हुए कानून के प्रति जागरूक एवं उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने शिविर को अत्यंत उपयोगी बताते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा द्वारा आयोजित इस जनजागरूकता अभियान की सराहना की।

गंदे पानी से होकर निकले कांवड़िये, ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का लगाया आरोप

अछनेरा। ग्राम पंचायत कचोरा में सोमवार को कांवड़ यात्रा के दौरान शिव भक्तों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। बड़ी संख्या में कांवड़ियों के जलभराव वाले मार्ग से निकलने का वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का आरोप है कि सावन के पवित्र माह और कांवड़ यात्रा को देखते हुए शासन स्तर पर सुरक्षा एवं सुविधाओं के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर मार्ग से जलभराव हटाने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई। इसके चलते श्रद्धालुओं को अपनी कांवड़ के साथ गंदे पानी से होकर निकलना पड़ा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि कांवड़ मार्ग पर जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की भी मांग की है।

चंबल के कैंजराघाट पर चली मोटरबोट

लाभांवित होंगे दो राज्यों के 100 से ज्यादा गांवों के लोग

टीएनएफ टुडे, बाह।

एक पखवाड़े पहले मध्य प्रदेश के उद्योतगढ़ एवं उत्तर प्रदेश में बाह के कैंजराघाट के बीच चंबल नदी पर मोटरबोट का संचालन नगरा पुलिस ने बंद करा दिया था। ठेकेदार पुलिस को मोटरबोट संचालन का अनापत्ति पत्र नहीं दिखा सका था। मोटरबोट का संचालन बंद होने पर दोनों राज्यों के 100 से ज्यादा गांव के लोग प्रभावित हुए थे। उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में 60 से 90 किमी का अतिरिक्त फेर लगाना पड़ रहा था। भाकियू सर्वोदय के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह चौहान ने धन और समय की बबादी वाले निर्णय पर पुर्नविचार कर मोटरबोट के संचालन की मांग एसडीएम बाह विनोद कुमार के सामने उठाई थी। पिनाहट घाट पर मोटरबोट का संचालन शुरू होने पर मांग ने जोर पकड़ा था, लिहाजा कैंजराघाट पर मोटरबोट का संचालन शुरू हो गया है। जिससे दोनों राज्यों के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। भानु प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि कांवड़िए भी कैंजराघाट के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। कांवड़ का कठिन सफर मोटरबोट बंद होने से मुश्किल भरा हो गया था। मोटरबोट का संचालन शुरू होने पर भाजपा कोर कमेटी के सदस्य पवन भदौरिया, अल्केन्द्र जादौन, सुरेश पचौरी आदि ने खुशी का इजहार कर विधायक पक्षालिका सिंह का उनके प्रयासों के लिए आभार जताया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बालक की मौत

हॉस्पिटल में भर्ती मां से मिलकर घर लौट रहा था 11 साल का अंश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

यमुनापार के रामबाग स्थित एक हॉस्पिटल में भर्ती मां से मिलकर चाचा-चाची के साथ घर लौट रहे 11 वर्षीय अंश की सड़क हादसे में मौत हो गई। सोमवार देर रात नेशनल हाईवे पर झरना नाले के पास सिकंदरा की ओर आ रहे अज्ञात वाहन ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल अंश को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद अज्ञात कार वाहन चालक भाग निकला।

फिरोजाबाद के नारखी थाना क्षेत्र के रूधऊ निवासी गोविंद का 11 वर्षीय बेटा अंश रविवार को चाचा मोनू और चाची आरती व गीता के साथ ट्रांस यमुना फेस द्वितीय स्थित एक हॉस्पिटल में भर्ती मां को देखने आया था। उसकी मां का भी हफ्ते भर पहले एक्सीडेंट हो गया था। वह इलाज के लिए भर्ती थीं। मां से मिलने के बाद चाचा, चाची के साथ बाइक से फिरोजाबाद लौट रहा था। बाइक चाचा मोनू चला रहे थे। सोमवार देर रात करीब 11 बजे झरना नाले के पास पीछे से आई अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से अंश गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे लेकर एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि बाइक पर सवार अन्य लोगों को गंभीर चोट नहीं आई है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस अज्ञात वाहन व चालक की तलाश के लिए सीसीटीवी खंगाल रही है।

बेटे की मौत की खबर सुन बिलखती रही मां

अंश की मौत की खबर जैसे ही अस्पताल में भर्ती उसकी मां को मिली, वह बेसुध हो गई। मौत की खबर ने मां को झकझोर दिया। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती मां का रो-रोकर बुरा हाल रहा। परिजन उन्हें संभालने में जुटे रहे।

'बम-बम भोले' से गूंजे शिव मंदिर

पिनाहट (आगरा)। श्रावण मास के पहले सोमवार को क्षेत्र के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतारें लग गईं। ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालु जल, बेलपत्र और गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। पूरे दिन मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंजता रहा। पिनाहट ब्लॉक के गांव करकोली स्थित चंबल किनारे प्राचीन महेवा शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ रही। सोरों और कछला से कांवड़ में गंगाजल लाकर श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का अभिषेक किया।

दिनेश बने अछनेरा पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

अछनेरा क्षेत्र के पत्रकारों के हितों की रक्षा, पत्रकार एकता को मजबूत करने तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने के उद्देश्य से अछनेरा पत्रकार एसोसिएशन का गठन किया गया। आयोजित बैठक में उपस्थित सभी पत्रकारों ने सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गर्ग को एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना।

बैठक में संगठन की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। इसमें शैलेश गौतम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ज्ञानू चौधरी को कोषाध्यक्ष एवं प्रवक्ता, गोविंद शर्मा को महासचिव, अनिल कुमार को संयुक्त सचिव, अजय डागुर को संगठन मंत्री, शकील खान को मीडिया प्रभारी तथा पीयूष कुमार को सह मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सास से कहासुनी के बाद यमुना में कूदी विवाहिता

देरशाम तक नदी में पीएसी के गोताखोर करते रहे तलाश

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव ईंधौन में सोमवार को गृहक्लेश के चलते सोमवार सुबह घर से नाराज होकर महिला यमुना नदी में कूद गई। जानकारी पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लेकिन यमुना नदी में पानी ज्यादा होने के कारण महिला की तलाश नहीं की जा सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस और पीएसी के गोताखोरों को बुलाया गया है। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार कुमकुम (22) पत्नी रवि निवासी ईंधौन सोमवार सुबह सास से कहासुनी हो जाने के चलते नाराज होकर घर से आधा किलोमीटर दूर स्थित यमुना नदी में कूद गई। जानकारी पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंचे लेकिन यमुना नदी में पानी ज्यादा होने के कारण पानी में कूदने

की कोई हिम्मत नहीं जुटा सका। जानकारी पर फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और पीएसी के गोताखोरों की टीम मौके पर बुलाया। देरशाम तक टीम महिला की तलाश करने में जुटी रही। समाचार लिखे जाने तक महिला का कोई सुराग नहीं लग सका। नरेश

कुमार निवासी ठार हीरा, छांरी थाना नगला सिंघी जिला फिरोजाबाद ने बताया कि अपनी चचेरी बहन कुमकुम की तीन साल पहले शादी की थी। तभी से अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर ससुराल वाले परेशान कर रहे थे। अतिरिक्त दहेज में बाइक की मांग कर रहे थे। दो माह पहले भी सामान दिलवाया था। घटना की जानकारी पर मायका पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए करीब आधा घंटे तक हंगामा किया। मौके पर मौजूद पुलिस ने परिजन को समझा बुझाकर शांत कराया।

एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि परिवारिक कलह के चलते महिला यमुना में कूद गई है। पीएसी के गोताखोरों की टीम महिला की तलाश करने में जुटी हुई है।

शासकीय अभिलेख नहीं सौंपने पर नोटिस थमाया

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- कूटरचित मस्टरोल के आधार पर भुगतान के आरोप
- निलंबित रहे आलोक माहेश्वरी के खिलाफ होगी एफआईआर

आलोक माहेश्वरी तत्कालीन वरिष्ठ सहायक को कूटरचित मस्टरोलों के आधार पर पीआरडी स्वंयसेवकों को ड्यूटी भत्ता के भुगतान करने का आरोप है। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारियों द्वारा बिना प्रमाणित तथा जिला युवा कल्याण, अधिकारी द्वारा बिना भुगतान हेतु पारित किये ही मस्टररोलों का भुगतान करने, शासकीय कार्यों में रूचि न लेनें, मनमानी कार्यप्रणाली के आरोप में महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल के आदेश द्वारा निलम्बित कर अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित की गयी है। माहेश्वरी निलम्बित रहते हुए सेवानिवृत्त / शासकीय सेवा से अवमुक्त हो चुके हैं।

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया कि माहेश्वरी के द्वारा सेवा से अवमुक्त होने के बावजूद शासकीय अभिलेखों का चार्ज अब तक हस्तगत नही किया गया है।

माहेश्वरी को एक सप्ताह के अन्दर कार्यालय में उपस्थित होकर समस्त शासकीय अभिलेखों को सम्बन्धित को हस्तान्तरित करने को कहा गया है। अन्यथा की स्थिति में उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराकर विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गयी है।

दोषी आंदोलनकारियों पर हो देशद्रोह का मुकदमा

हिन्दू महासंघ भारत ने कलेक्ट्रेट में किया जोरदार प्रदर्शन

- सांसद पप्पू यादव पर रासुका के तहत कार्रवाई की मांग

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू महासंघ भारत के बैनर तले कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय संयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष सुमित कटियार ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट आंदोलन के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए अभद्र गालियों का प्रयोग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आंदोलन करने का अधिकार सभी को है, लेकिन प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई यह ओछी हरकत अक्षम्य अपराध है। ऐसे तत्वों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

सांसद पप्पू यादव द्वारा संसद भवन परिसर में भगवा वस्त्र पहनकर धरना देने और संतों का अपमान करने के मामले पर भी आक्रोश व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पप्पू यादव पर रासुका (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। प्रदेश महामंत्री गोपाल सिंह चाहर ने आरोप लगाया कि पूरा विपक्ष मोदी जी को हटाने के लिए विदेशी फंडिंग का सहारा ले रहा है। लेकिन देश की जनता का अटूट विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है।

विपक्ष की सभी साजिशें नाकाम होंगी और मोदी जी लगातार चौथी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन गिरज द्वारा किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव चौहान, महानगर अध्यक्ष विनोद गौतम, मंडल अध्यक्ष दीपक सक्सेना, गोपाल सूर्यवंशी, दीपक जैन, श्याम पहलवान, रौनक दीक्षित, विपुल खंडेलवाल, विमल प्रजापति, जसवीर सिंह और भोला सागर सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोडवेज बस की टक्कर से छात्र की मौत

- भंडारे का सामान देकर लौट रहा था घर, साथी छात्र घायल
- सैटेलाइट बस स्टैंड के सामने तड़के तीन बजे हुआ हादसा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भंडारे के लिए सामान पहुंचाकर घर लौट रहे बीकॉम के छात्र प्रिंस तोमर की टेढ़ी बगिया स्थित सैटेलाइट बस स्टैंड के सामने सोमवार तड़के रोडवेज बस की चपेट में आने से मौत हो गई। जबकि साथी छात्र अंकित घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देवकी नगर, गुलाब नगर निवासी 21 वर्षीय प्रिंस अपने साथी अंकित के साथ हाथरस रोड स्थित प्राचीन टेढ़ेश्वर महादेव मंदिर में चल रहे भंडारे के लिए हलवाई को सामान देकर पल्सर बाइक से घर लौट रहा था। तड़के करीब तीन बजे सैटेलाइट बस स्टैंड के सामने बाइक की रोडवेज बस से टक्कर हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

जहां प्रिंस की दोपहर करीब 3 बजे मौत हो गई। प्रिंस माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके पिता संजेश सिंह तोमर जूता कारीगर हैं और मां गृहिणी। बेटे की मौत की खबर घर पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। मां मंजू देवी और बहन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रोडवेज बस कब्जे में लेकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। चालक भी हिरासत में ले लिया गया है।

सावन का महीना...

आगरा में अग्रवाल संगठन रामबाग ने रविवार को अतिथिवन में तीजोत्सव मनाया गया। उत्साह व उमंग के साथ सावन के लोकगीतों पर नृत्य किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों संग मनोरंजक प्रतियोगिताएं भी हुईं।

सखियों ने मनाया फ्रेंडशिप-डे

आगरा। आवास विकास कॉलोनी में फ्रेंडशिप-डे का आयोजन किया। जिसमें पुरानी फ्रेंड्स ने मस्ती की और अपनी दोस्ती की मिसाल लोगों को दी। संयोजक प्रतिभा जिंदल ने बताया कि यह कार्यक्रम उन्होंने अपनी पुरानी छात्रा जीवन की फ्रेंड्स को एकत्रित करके मनाया। जिसमें उन्होंने एक दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांधी और चॉकलेट खिलाकर मुंह मीठा किया। गिफ्ट प्रदान किए। प्रतिभा जिंदल ने बताया कि मित्रता एक ऐसा उपहार है, जो जीवन में हमेशा मिठास घोलता है। एक दूसरे में समरसता लाता है और जीवन में जीवन को उल्लास पैदा करता है। इसलिए हमें अपने पुराने मित्रों को नहीं भूलना चाहिए। इस अवसर पर कल्पना अग्रवाल, रूपशिखा अग्रवाल, अलका अग्रवाल, प्रगति अग्रवाल, नीतू अग्रवाल मौजूद रहीं।

मोहम्मद रफी को याद किया

आगरा। पार्श्व गायक मोहम्मद रफी को श्रद्धांजलि देने हेतु रॉयल म्यूजिक क्लासेस द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन अर्जुन नगर कार्यालय पर किया गया। आयोजन का शुभारंभ सरस्वती वंदना से नित्या शर्मा ने किया। रॉयल म्यूजिक के प्रबंधक प्रवीन रावत ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन करते हुए सुशील सरित ने बताया मोहम्मद रफी ने पहला कार्यक्रम 13 वर्ष की उम्र में केएल सहगल के साथ किया था। लगभग 26000 गीत उनकी आवाज में रिकॉर्ड हुए। मुख्य अतिथि आगरा कॉलेज में संगीत विभाग की प्रोफेसर आन्शवना सक्सेना ने कहा की मोहम्मद रफी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मोहित अग्रवाल, काशी, गुड्डू भाई, भास्कर शुक्ला, आशीष त्रिपाठी, लक्षिता महाजन, डॉक्टर संजीव बोहरा, डॉक्टर असीम आनंद, हरीश अग्रवाल आदि ने अनेक गीत प्रस्तुत किये। अमान खां रॉयल म्यूजिक के संचालक एवं प्रख्यात कलाकार पप्पू खान चंद्रशेखर शर्मा , सुधीर शर्मा, हरीश भदोरिया आदि की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

सीएफ एंड्रूज स्कूल बल्केश्वर में छात्र संसद गठित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सीएफ एंड्रूज स्कूल बल्केश्वर के सभागार में विद्यालय के नवीन छात्र संसद का गठन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राकेश गर्ग (चेयरमैन, लघु उद्योग निगम, उत्तर प्रदेश), विद्यालय के सीएमडी डॉ. गिरधर शर्मा, एमडी ई. ओशिन शर्मा, प्राचार्या रुचि तनवर, उप- प्राचार्या शिल्पा भाटिया एवं मुनेश अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित व माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत प्राचार्या रुचि तनवर द्वारा बैज तथा पौधे भेंट कर किया गया। मुख्य अतिथि राकेश गर्ग ने कहा कि अनुशासन, नेतृत्व एवं बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें परिश्रम से प्राप्त करने की प्रेरणा दी। छात्रों को भविष्य में अपनी नेतृत्व क्षमता से रोजगार पाने बाले के बजाय रोजगार दाता बनने का मंत्र दिया। प्रेरणादायक समूह गीत एवं गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। डॉ गिरधर शर्मा ने सभी आगन्तुकों का शाब्दिक स्वागत किया। मुख्य अतिथि राकेश गर्ग ने नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को बैज एवं ध्वज प्रदान किए। एम.डी. ई. ओशिन शर्मा ने सभी निर्वाचित सदस्यों को नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन हेतु शुभकामनाएँ दीं। छात्र संसद में हिमांशु धनवानी (हेड बॉय), आध्या अग्रवाल (हेड गर्ल), सिद्धि राठौर (स्पोर्ट्स कैप्टन), परिधि खत्री (आजाद हाउस कैप्टन), मानवी राठौर (शिवाजी हाउस कैप्टन), उपलब्धि शर्मा (रानी लक्ष्मीबाई हाउस कैप्टन) तथा कृतिका बंसल (बोस हाउस कैप्टन) सहित अन्य पदाधिकारियों ने पद एवं निष्ठा की शपथ ग्रहण की। प्राचार्या रुचि तनवर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मंच का संचालन विद्यालय की शिक्षिका चारू तलवार तथा छात्रा प्रिया सिंघल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर एनसीसी के ए.एन.ओ. आलोक वैष्णव, दिव्या कौर, विजय तिवारी, मंथन श्रीवास्तव, अमन शर्मा, निखिल झा, प्रदीप कुमार, छवि गोयल, प्रियांशु अग्रवाल, वंदना झा, बबली मित्तल आदि शिक्षक-शिक्षिकाओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के विस्तार का आश्वासन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर भारत में राष्ट्रीय स्तर के मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से उनके कार्यालय में भेंट कर आगरा स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल परिसर में राष्ट्रीय स्तर के मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान की स्थापना का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा में अपने बजट भाषण के दौरान भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान की तर्ज पर उत्तर भारत में एक नए संस्थान की स्थापना की घोषणा की थी। उक्त संदर्भ कों लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने इस विषय पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर अनुरोध किया था कि आगरा स्थित आईएमएचएच परिसर में राष्ट्रीय स्तर के मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान की स्थापना के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री के आगरा प्रवास के दौरान आयोजित एक सार्वजनिक सभा में भी उन्होंने इस विषय को प्रमुखता से मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। इसके उपरांत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कर इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल, आगरा में राष्ट्रीय स्तर के मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान की स्थापना के पक्ष में प्रबल संस्तुति सहित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा से भेंट के दौरान प्रो. एसपी सिंह बघेल ने अपने संस्तुति पत्र और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भेजे गए संस्तुति पत्र एवं डीपीआर की प्रति सौंपते हुए आगरा में राष्ट्रीय स्तर के मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान की स्थापना के लिए अनुरोध किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रो. एसपी सिंह बघेल द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव एवं उत्तर प्रदेश सरकार की संस्तुति पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया है।

पारसनाथ पंचवटी में महंत राजूदास का स्वागत

टीएनएफ टुडे, आगरा।

फतेहाबाद रोड स्थित पारसनाथ पंचवटी कॉलोनी के उमा कुटीर में सोमवार को अयोध्या धाम के विश्वविख्यात हनुमानगढ़ी के पूज्य महंत गुरु राजूदास महाराज के पावन आगमन पर पंचवटी परिवार द्वारा भव्य एवं श्रद्धापूर्ण स्वागत किया गया। संत के स्वागत में पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं जय श्रीराम तथा बजरंगबली के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। अपने प्रेरणादायी प्रवचनों में गुरु राजूदास जी महाराज ने धर्म, सेवा, संस्कार एवं मानव कल्याण का संदेश देते हुए कहा कि संतों का सान्निध्य मनुष्य के जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संत समाज सदैव प्रेम, करुणा, सद्भाव, राष्ट्रधर्म और सनातन संस्कृति के संरक्षण की प्रेरणा देता है। श्रद्धालुओं ने उनके दिव्य वचनों का श्रवण कर स्वयं को आध्यात्मिक रूप से धन्य एवं भाव-विभोर अनुभव किया।

महंत गुरु राजूदास महाराज अयोध्या धाम स्थित श्री हनुमानगढ़ी मंदिर से जुड़े हुए हैं। भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या का यह प्रमुख आस्था केंद्र देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है। ऐसी पुण्यभूमि से पधारे संत का सान्निध्य पंचवटी परिवार के लिए अत्यंत सौभाग्यपूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा। संरक्षक श्याम भोजवानी एवं उमा सिंह ने कहा कि संतों का आगमन समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

इस अवसर पर महंत गुरु राजूदास जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को हनुमान जी का प्रसाद एवं भेंट स्वरूप पावन पटका पहनाकर आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में अमित सिंह एवं सचिन सिंह ने सभी संतजनों, श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उमा सिंह, अमित सिंह (टोनी), सचिन सिंह, हरेंद्र सिंह, संरक्षक श्याम भोजवानी, रिंकू शर्मा, सुमन यादव, नीतू सिंह, विधि सिंह, वीरेंद्र यादव, पुनीत कालरा,आलोक बंसल, राजेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में पंचवटी परिवार के सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हर विद्यालय में खुलेगी स्काउट-गाइड यूनिट

स्काउट-गाइड से विकसित होंगे सेवा, अनुशासन और नेतृत्व: जिलाधिकारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में भारत स्काउट एवं गाइड, जनपद द्वारा आरबीएस डिग्री कॉलेज के ऑडिटोरियम में एक दिवसीय प्रधानाचार्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीबीएसई एवं उत्तर प्रदेश बोर्ड के 312 प्रधानाचार्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सभी विद्यालयों में भारत स्काउट एवं गाइड की यूनिट स्थापित एवं सक्रिय रूप से संचालित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड विद्यार्थियों में सेवा, संस्कार, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहनशीलता एवं राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास करता है।

स्काउट-गाइड का स्वयंसेवक एक जिम्मेदार, अनुशासित एवं सेवाभावी नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जिला मुख्य आयुक्त डॉ. अनिल कुमार वशिष्ठ ने पीपीटी के माध्यम से भारत स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों, उद्देश्यों तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डायट प्राचार्य विजय प्रताप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र पाल तोमर, जिला विद्यालय निरीक्षक (बालिका शिक्षा) बी.पी. सिंह तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन जिला सचिव रेनू भारद्वाज ने किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने सभी विद्यालयों से भारत स्काउट एवं गाइड की यूनिटों से जुड़ने तथा प्रत्येक विद्यालय में स्काउट-गाइड गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर गुंजन चौधरी, डॉ. बसंत बहादुर सिंह, सीबीएसई कोऑर्डिनेटर आर.के. पांडेय, डॉ. अतुल जैन, सोनिका चौहान, संजय गर्ग, शालिनी गर्ग, पीयूष शर्मा, विवेक सिंह, रामानंद चौहान, डॉ. दिग्विजय पचौरी, कविता कुशवाहा, महेश सैनी, कुसुम वर्मा, डॉ. मनोज पाठक, कुलदीप तिवारी, विशाल कुमार, अभिषेक ध्रुव, प्रतीक, आयुषी, लक्ष्मी सिंह उपस्थित रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

शिक्षा मंत्री कार्यकाल क्यों नहीं काट पाते

शिक्षा में सुधार के लिए आवश्यक रोजगारपरक, रचनात्मक, सकारात्मक और शोधपरक वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित मुद्दे खास स्थान नहीं ले सके। पेपर लीक के केंद्र ही नहीं राज्यों की सरकारों ने कठोर कानून बनाए हैं, सजा और जुमार्ने को बढ़ाया है, किन्तु देश में जब तक मौजूद सिस्टम ठीक नहीं होगा, तब तक चाहे कितने ही मंत्री बदल दिए जाएं, पेपर लीक की घटनाएं रुकने की कोई गारंटी नहीं है। सवाल यही है कि आखिरकार कोई भी शिक्षा मंत्री अपना कार्यकाल क्यों नहीं पूरा कर पाया। मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में शिक्षा मंत्रालय ही ऐसा प्रमुख मंत्रालय रहा, जिसकी कमान पांच अलग-अलग मंत्रियों ने संभाली वहीं, गृह, विदेश, वित्त, रक्षा और स्वास्थ्य जैसे मंत्रालयों में अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही। शिक्षा, संस्कृति और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आईएनबी) ऐसे कुछ चुनिंदा मंत्रालय हैं, जिन्हें सॉफ्ट पावर की तरह देखा जाता है और जो संघ की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए अहम रहे हैं। यही कारण है कि यहां विवाद ज्यादा हुए और अस्थिरता भी उतनी ही दिखती है। गौरतलब है कि आईएनबी में 12 साल के भीतर सात केंद्रीय मंत्री और संस्कृति मंत्रालय में पांच केंद्रीय मंत्री बने हैं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्मृति ईरानी और प्रकाश जावड़ेकर ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय संभाला मोदी के दूसरे कार्यकाल में यह ज़िम्मेदारी रमेश पोखरियाल 'निशंक' को मिली। मगर 2021 में हुए कैबिनेट विस्तार के दौरान धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री बना दिया गया, जिनके इस्तीफे की मांग को लेकर एक महीने तक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थक जंतर-मंतर पर बैठे रहे और आखिरकार केंद्र सरकार दबाव में आई और प्रधान को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। नीट परीक्षा के लीक होने का मामला अलग कर दें, तो संघ से जुड़े उन सभी प्रमुख लक्ष्यों को धर्मेंद्र प्रधान बिना शोर-शराबा किए लागू करा पाने में सफल रहे हैं, जिनकी कोशिश उनके पूर्ववर्तियों ने जोर लगाते हुए की और विवादों में फंसते गए। गौरतलब है कि 2014 में बनी पहली मोदी कैबिनेट में धर्मेंद्र प्रधान को पेट्रोलियम मंत्री बनाया गया, फिर मोदी के दूसरे कार्यकाल में वे शिक्षा मंत्री बने और मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी यह ज़िम्मेदारी जारी रही। प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को बढ़ावा मिला। मातृभाषा और कई भाषाओं में शिक्षा को उन्होंने बढ़ावा दिया। मगर तीन-भाषा फॉमूर्ला पर तमिलनाडु राज्य सरकार के साथ लंबे समय तक वे विवाद के केंद्र में भी रहे। विरोधियों ने उन पर राजनीतिक हस्तक्षेप और हिंदी थोपने का आरोप लगाया, जिससे शिक्षा नीति केंद्र बनाम राज्य के विवाद का मुद्दा बन गई। मोदी सरकार के कार्यकाल के चारों शिक्षा मंत्रियों में से एक भी अपना विजन लागू करने के लिए स्वतंत्र नहीं था। रणनीतियां ऊपर से बनती थीं। ये जरूर है कि हर मंत्री का उसे लागू करने का तरीका अलग हो सकता है जैसे, स्मृति ईरानी ज्यादा मुखर थीं, जावड़ेकर रणनीतिक चुप्पी वाले व्यक्ति थे। मोदी के शासन में शिक्षा विभाग में जो भी नीतियां अपनाई गईं, वे सभी वाम विचारधारा को हटाने के मकसद से लागू हुईं। संघ का मकसद भारत की शिक्षा व्यवस्था से वाम विचारधारा वाली शिक्षा-पद्धति को हटाना है, क्योंकि संघ मानता है कि वे मुगलों के समर्थक रहे हैं। संघ की नजर में, मुगल घुसपैठिए हैं और देश की मुस्लिम आबादी उनकी वंशज है। संघ पर आरोप लगते रहें कि इस एजेंडे को पूरा मोदी सरकार के जरिए कराया जा रहा है। इसी लक्ष्य को साधने के लिए मोदी सरकार के चार शिक्षा मंत्रियों के चयन का पैमाना रहा है। "स्मृति ईरानी को छोड़ दें, तो नवनियुक्त शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी, प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल 'निशंक' और धर्मेंद्र प्रधान संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। वाजपेयी के जमाने में भी संघ से आने वाले मुरली मनोहर जोशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया था, जो दशार्ता है कि संघ इस मंत्रालय में अपना दखल हमेशा चाहता रहा है। स्मृति @@ वेमुला की आत्महत्या जैसे विवाद जुड़ चुके थे। स्मृति ईरानी संघ की पृष्ठभूमि से नहीं थीं। नई शिक्षा नीति तैयार करने और उसे लागू करने में देरी से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्मृति से बहुत खुश नहीं था। संघ के संदेशों को समझना आसान नहीं है। संघ शोर-शराबा नहीं करता। यही कारण है कि फिलाहल संघ की पृष्ठभमि वाले प्रकाश जोशी को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। मंत्रालय में स्मृति ईरानी के कार्यकाल के दौरान नई शिक्षा नीति पर काम की शुरूआत हुई। मोदी के कार्यकाल के तीसरे शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' के समय इसे लागू किया गया।

दिल्ली-हरियाणा की गंदगी का बोझ, भुगत रहे आगरा और ब्रज मंडल

यमुना कब तक राजधानी और उसके पड़ोसी राज्यों का सीवर बनी रहेगी?

> "सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि दिल्ली और हरियाणा की यह साझा गंदगी नीचे आगरा, मथुरा, वृंदावन और पूरे ब्रज मंडल के हिस्से आती है। ऊपर वालों की लापरवाही, नीचे रहने वालों की सजा बन जाती है। आगरा केवल एक शहर नहीं, ताजमहल का नगर है। यह विश्व धरोहर और भारत की पहचान है। लेकिन ताजमहल के सामने बहने वाली यमुना अब जीवन नहीं, बीमारियाँ लेकर आती है। जहरीला पानी भूजल को दूषित कर रहा है। जलीय जीव समाप्त हो रहे हैं। नदी का प्राकृतिक प्रवाह दम तोड़ रहा है। एक मृतप्राय नदी के किनारे दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारत भी उदास दिखाई देती है।

बृज खंडेलवाल

नदियाँ कभी सरहदें नहीं मानतीं। वे जीवन, संस्कृति और सभ्यता को एक जगह से दूसरी जगह ले जाती हैं। लेकिन जब कोई शहर या राज्य अपनी गंदगी नदी में उड़ेल देता है, तो वह जहर भी सीमाएँ नहीं मानता। वह भी बहते-बहते दूर तक पहुँचता है। आज यमुना इसी राष्ट्रीय शर्म की सबसे बड़ी मिसाल बन गई है।

हाल ही में तमिलनाडु ने कर्नाटक पर आरोप लगाया कि बेंगलुरु का सीवर मिला पानी लगातार दक्षिण पिनाकिनी (थेनपेन्नई) नदी में छोड़ा जा रहा है। जल परीक्षण में भारी जैविक प्रदूषण, अमोनिया, फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया और रासायनिक कचरे की पुष्टि हुई। तमिलनाडु ने न केवल सख़्त एतराज जताया, बल्कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से तत्काल दखल देने की मांग भी की।

सवाल है, जब दक्षिण भारत की एक नदी के लिए इतना शोर उठ सकता है, तो यमुना के लिए यह खामोशी क्यों?

यमुना दिल्ली पहुँचने से पहले ही हरियाणा में बीमार हो चुकी होती है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आँकड़े बताते हैं कि राज्य के 11 बड़े नाले लगातार गंदगी यमुना में उँडेल रहे हैं। इनमें पानीपत-सोनीपत का ड्रेन नंबर-6, फरीदाबाद का बुढ़िया नाला, बल्लभगढ़-पालवल का गौंछी ड्रेन और गुरुग्राम के कई बड़े ड्रेन शामिल हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हरियाणा से यमुना में पहुँचने वाले प्रदूषण का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अकेला गुरुग्राम छोड़ता है। पानीपत और सोनीपत में हर दिन लगभग 42 मिलियन लीटर अनुपचारित सीवेज नदी में जा रहा है। फरीदाबाद की अवैध डाइंग इकाइयाँ रासायनिक और रंगीन कचरा खुलेआम बुढ़िया नाले में छोड़ती हैं। बल्लभगढ़ और पलवल से भी बिना शोधन का सीवेज सीधे यमुना में गिरता है।

दिल्ली पहुँचते-पहुँचते हालात और बदतर हो जाते हैं। वजीराबाद से ओखला तक केवल 22 किलोमीटर का हिस्सा यमुना के लिए सबसे बड़ा अभिशाप बन चुका है। नजफगढ़ नाला समेत कई बड़े नाले रोज करोड़ों लीटर सीवेज और औद्योगिक कचरा नदी में गिराते हैं। दिल्ली जल बोर्ड के ताजा अनुमान बताते हैं कि इन नालों का प्रवाह पहले के आकलन से कहीं अधिक है। नतीजा यह है कि कई स्थानों पर पानी में घुली ऑक्सीजन शून्य हो जाती है और फीकल कोलीफॉर्म सुरक्षित सीमा से सैकड़ों गुना ऊपर पहुँच जाता है। यहाँ यमुना नदी नहीं, एक बदहाल नाला दिखाई देती है। सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि दिल्ली और हरियाणा की यह साझा गंदगी नीचे आगरा, मथुरा, वृंदावन और पूरे ब्रज मंडल के हिस्से आती है। ऊपर वालों की लापरवाही, नीचे रहने वालों की सजा बन जाती है।

आगरा केवल एक शहर नहीं, ताजमहल का नगर है। यह विश्व धरोहर और भारत की पहचान है। लेकिन ताजमहल के सामने बहने वाली यमुना अब जीवन नहीं, बीमारियाँ लेकर आती है। जहरीला पानी भूजल को दूषित कर रहा है। जलीय जीव समाप्त हो रहे हैं। नदी का प्राकृतिक प्रवाह दम तोड़ रहा है। एक मृतप्राय नदी के किनारे दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारत भी उदास दिखाई देती है।

इस पूरे संकट में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की भूमिका भी कठघरे में है। उनका काम केवल पानी की जाँच करना नहीं, बल्कि प्रदूषण रोकना भी है। यदि दशकों से यमुना की यही हालत है, तो सवाल उठना लाज़िमी है कि प्रभावी कार्रवाई अब तक क्यों नहीं हुई? क्या रिपोर्टें केवल फाइलों की जीनत बढ़ाने के लिए बनती हैं? क्या कानून सिर्फ़ छोटे लोगों पर लागू होते हैं? बड़े शहरों, उद्योगों और सरकारी एजेंसियों पर नहीं?

हरियाणा सरकार ने 2027 तक बिना शोधन के पानी को पूरी तरह रोकने और नालों के बीओडी स्तर को 10 मिलीग्राम प्रति लीटर से नीचे लाने का लक्ष्य रखा है। नए एसटीपी, सीईटीपी और ड्रेन टैपिंग की योजनाएँ भी बनाई गई हैं। दिल्ली सरकार भी सीवेज शोधन क्षमता बढ़ाने के दावे कर रही है।

लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी कहती है। पानीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, बल्लभगढ़ और पलवल से प्रदूषण आज भी लगातार यमुना में पहुँच रहा है। अवैध इकाइयाँ फिर से चालू हो जाती हैं और नालों में सीधा डिस्चार्ज रुकने का नाम नहीं लेता।

यमुना किसी एक राज्य की जागीर नहीं है। यह करोड़ों लोगों की जीवनरेखा है। संविधान हर नागरिक को स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार देता है। फिर आगरा और ब्रज के लोगों को प्रदूषित पानी क्यों मिले? ब्रज की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को इस लापरवाही की कीमत क्यों चुकानी पड़े?

अब वक़्त आ गया है कि दिल्ली और हरियाणा दोनों सरकारें अपनी साझा ज़िम्मेदारी स्वीकार करें। राजधानी और उसके औद्योगिक शहरों का विकास तभी मायने रखेगा, जब उसकी गंदगी दूसरे राज्यों की तकदीर न बने। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य बोर्डों को भी अपनी निष्क्रियता छोड़नी होगी। केवल नोटिस जारी करना या नए लक्ष्य घोषित करना काफी नहीं है। दोषी एजेंसियों और उद्योगों पर सख़्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि बिना शोधन का एक भी लीटर सीवेज या औद्योगिक कचरा यमुना में न गिरे।

यमुना सिर्फ़ पानी की धारा नहीं, हमारी सभ्यता की धड़कन है। यदि हम इसे बचाने में नाकाम रहे, तो इतिहास यह नहीं पूछेगा कि कितनी योजनाएँ बनीं या कितने वादे किए गए। वह सिर्फ़ इतना लिखेगा कि एक राष्ट्र अपनी सबसे पवित्र नदियों में से एक को दिल्ली, फरीदाबाद, पानीपत, गुरुग्राम, बल्लभगढ़ और पलवल के सीवर में बदलने से नहीं बचा सका। यही हमारी सबसे बड़ी पर्यावरणीय और नैतिक नाकामी होगी।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई टली

शंकरदेव तिवारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (वअए) जैसे खाड़ी देशों के अनुरोध पर उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के फैसले को फिलहाल स्थगित कर दिया है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिकी सेना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा हमला करने की पूरी तैयारी कर चुकी थी, लेकिन प्रमुख खाड़ी नेताओं के साथ हुई बातचीत के बाद इस योजना को रद्द कर कूटनीतिक प्रयासों को समय देने का निर्णय लिया गया।

ट्रंप ने न्यू जर्सी के बेडमिन्स्टर स्थित अपने गोल्फ क्लब से वाशिंगटन लौटते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, ''मैंने क्राउन प्रिंस से पूछा कि आप क्या चाहते हैं? क्या आप चाहेंगे कि हम हमला करें या नहीं? उन्होंने कहा कि हम हमले के बजाय समझौता करना ज्यादा पसंद करेंगे, क्योंकि आपको नहीं पता कि ऐसे हमले कहां जाकर रुकेंगे।''

ट्रंप और सऊदी अरब के शहजादे के बीच शनिवार को बातचीत हुई थी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने पांच महीने पुराने युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। यह ट्रंप के रुख में एक और बड़ा बदलाव था। एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि उन्हें ईरान के साथ बातचीत पर भरोसा कम होता जा रहा है और चेतावनी दी थी कि अमेरिकी सेना ''ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगी।'' ट्रंप ने रविवार को दोहराया कि प्रस्तावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल होगा।

हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने रविवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति अब किसी भी कीमत पर 28 फरवरी, यानी युद्ध शुरू होने से पहले जैसी नहीं होगी। उन्होंने ईरान के सरकारी टेलीविजन से बातचीत में कहा कि ईरान होर्मुज के दूसरी ओर स्थित ओमान के साथ जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर चर्चा कर रहा है, लेकिन फिलहाल इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को फिर से खोलने पर कोई बातचीत नहीं हो रही है। ट्रंप इससे पहले भी कई बार ईरान पर हमले रोकने की घोषणा कर चुके हैं, लेकिन बाद में हालात बिगड़ने पर संघर्ष फिर शुरू हो गया।

कुर्सी मिलते ही 'बैनर' हुए सिद्धांत और 'हवा-हवाई' हुए नेताजी

आज के आधुनिक युग में भगवान ढूंढने से भले मिल जाएं, लेकिन ऐसा इंसान ढूंढने से भी नहीं मिलेगा जिसे अपना 'चेहरा चमकाने' का मौका मिले और वह उसे दोनों हाथों से न भुनाए। आजकल तो सिद्धांत और आदर्श केवल भाषणों की शोभा बढ़ाते हैं। जैसे ही किसी महापुरुष को 'अमुक पद' की प्राप्ति होती है, उनके आदर्शों का वजन अचानक इतना हल्का हो जाता है कि वे हवा में उड़ने लगते हैं।विरोध से विसर्जन तक का सफरमजेदार बात यह है कि ये वही लोग होते हैं जो कल तक 'आत्म-प्रचार' और 'बैनर संस्कृति' के खिलाफ सड़कों पर गला फाड़कर चिल्ला रहे थे। वे कहते थे, ₹काम बोलता है, बैनर नहीं!₹ लेकिन जैसे ही भाग्य से या तिकड़म से उनके हाथ में कोई पद आता है, वे उसी रास्ते पर सरपट दौड़ पड़ते हैं जिसका वे कल तक विरोध कर रहे थे। अब चौराहे पर सबसे बड़ा होर्डिंग उन्हीं का होता है, जिसमें उनका मुस्कुराता हुआ चेहरा देखकर ऐसा लगता है जैसे देश की सारी समस्याओं का समाधान इसी एक मुस्कान में छिपा हो।चमचों की फौज और सिद्धांतों का कत्लअजीब और बुरा तब नहीं लगता जब कोई नया व्यक्ति ऐसा करे। दुख तो तब होता है जब उनके पुराने और सबसे करीबी साथी—जो कभी सिद्धांतों की दुहाई देते थकते नहीं थे—वही सबसे पहले उनके आत्म-प्रचार की मशीन बन जाते हैं। वे नए-नए कुतर्क गढ़ते हैं कि ₹नेताजी का चेहरा जनता के बीच जाना कितना जरूरी है!₹ समय के साथ ये लोग अपने ही सिद्धांतों को दफन कर आत्म-प्रशंसा के उस दलदल में धंस जाते हैं, जहां से सिर्फ और सिर्फ खोखली वाहवाही सुनाई देती है।वास्तविक यात्रा से 'हवाबाजी' का भटकावहकीकत तो यह है कि जो लोग कभी समाज के लिए अपने आंसुओं (अश्क) को छिपाकर, अपनी सुख-सुविधाओं को त्यागकर एक सक्रिय और संघर्षपूर्ण जीवन जी रहे थे, वे पद मिलते ही अपना मूल लक्ष्य भूल जाते हैं। जमीनी हकीकत से विलग होकर वे 'हवाबाजी' और वीआईपी संस्कृति के ऐसे रथ पर सवार होते हैं जिसका पहिया केवल आत्म-मुग्धता की जमीन पर चलता है। जनसेवा की वास्तविक यात्रा कहीं पीछे छूट जाती है और वे सिर्फ एक 'प्रचार सामग्री' बनकर रह जाते हैं।अंत में: 'भगवान-भगवान' की रट और असहाय स्थितिजब इस हवाबाजी का नशा थोड़ा कम होता है या जब कुर्सी डगमगाती है, तब अचानक उन्हें अपनी इस गंभीर भूल का एहसास होता है। चारों तरफ से जब वास्तविकता के थपेड़े पड़ते हैं, तो अंदर से 'भगवान-भगवान' की रट छूटने लगती है। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। भटकाव के उस मोड़ पर वे खुद को इतना असहाय और अकेला पाते हैं कि न तो वे पुराने सिद्धांतों के पास वापस लौट पाते हैं और न ही हवाबाजी उन्हें कहीं का छोड़ती है। अंततः, वे केवल एक होर्डिंग पर टंगे हुए बेजान चेहरे बनकर रह जाते हैं, जिन्हें हवा का एक झोंका भी आए तो फाड़कर फेंक देता है।

-अनाम

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 05 अगस्त 2026 बुधवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह तुला धनु और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन साक्षात बुद्धि के प्रदाता विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन गणेश जी को दूर्वा दल अर्पित करना तथा गणपति अथर्वशीर्ष का वाचन करना जीवन में असीम बौद्धिक क्षमता आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक सम्मान में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक होगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पाएंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी सुस्ती आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान गणेश जी को प्रणाम करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी मुख्य और सम्मानित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। गणेश चालीसा का जाप करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यावसायिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। गणपति जी के सम्मुख घी का दीप प्रज्वलित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊजार्वान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। रिद्धि सिद्धि के दाता को मोदक अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी महत्वपूर्ण नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी सच्ची मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। बेसहारा लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में हरी मूंग की दाल का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। संकट नाशन गणेश स्तोत्र का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का अधिक लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखित प्रमाण के कोई महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवहार न करें। गणेश मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए मुख्य व्यावसायिक सहयोगी सम्मिलित होने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। विघ्नहर्ता गणेश जी को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत महत्वपूर्ण और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। पक्षियों को अन्न खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को असीम राहत मिलेगी। किसी मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन घर के मुख्य हॉल में उत्तर या उत्तर पूर्व की दिशा में हरे भरे पौधों का कोई सुंदर गमला या धन को आकर्षित करने वाला यंत्र स्थापित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात गणपति जी की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा संवर्धित होती रहती है।

चोरी के लिए महिला का रेत दिया था गला, गिरफ्तार

साक्ष्य मिटाने और जेवरात छिपाने के आरोप में पिता और मां भी गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, चौमुहाँ।

थाना जैत क्षेत्र के गांव बाटी में महिला की गला रेतकर हत्या और लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। थाना जैत पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में मुख्य आरोपी विष्णु उर्फ लुक्का पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया, जबकि उसके पिता और मां को भी साक्ष्य छिपाने तथा लूटा गया सामान छिपाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए जेवर, नकदी, हत्या में प्रयुक्त चाकू तथा अवैध तमंचा बरामद किया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि हत्या और लूट के मामले में वांछित आरोपी गांव बाटी से मघेरा रोड की ओर जाने की फिराक में है। थानाध्यक्ष जैंत सोनू कुमार ने जैंत पुलिस के साथ घेराबंदी की। इस दौरान आरोपी विष्णु उर्फ लुक्का ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दोनों पैरों में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया 27-28 जुलाई की रात गांव बाटी में हुई इस वारदात की जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी विष्णु उर्फ लुक्का आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। मृतका स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराने का कार्य करती थी और उसके पास अक्सर नकदी रहती थी। आरोपी ने इसी लालच में चोरी की योजना बनाई।

घटना की रात मृतका के दोनों बेटे और पति घर से बाहर थे। बारिश होने के कारण आसपास के लोग भी अपने-अपने घरों में चले गए। इसी मौके का फायदा उठाकर आरोपी छत के रास्ते घर में घुस गया और चोरी करने लगा। आहट होने पर जब महिला की नींद खुल गई तो आरोपी ने उसका मुंह दबाकर चाकू से कई वार किए और गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने महिला के शरीर से कुंडल, बाली, नाक की लौंग, पायल समेत अन्य जेवर उतार लिए और घर से नकदी तथा श्यामजी का लॉकेट भी लूट लिया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी के माता-पिता ने उसकी मदद की। आरोपी की मां ने हत्या में प्रयुक्त चाकू छिपा दिया, जबकि पिता ने लूटे गए जेवर और नकदी को ठिकाने लगा दिया।

■ लूटे गए जेवर, नकदी, हथियार और वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद

पूछताछ में मुख्य आरोपी ने हत्या और लूट की पूरी वारदात स्वीकार करते हुए पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू और रक्तरंजित कपड़े बरामद किए, जबकि लूटे गए आभूषण, श्यामजी का लॉकेट और 13,500 रुपये नकद उसके पिता और मां से बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी विष्णु उर्फ लुक्का के खिलाफ पहले भी गैंगरेप सहित कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

वाणिश्री द्वारा डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'सारस्वत सम्मान' से विभूषित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारतीय संगीत, काव्य, साहित्य, शिक्षा, समाज-सेवा एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल 'रजक' को नई दिल्ली के देशबंधु चित्तरंजन भवन में "वाणिश्री" संस्था द्वारा आयोजित "आनंद स्वरझ2026" समारोह में अति प्रतिष्ठित 'सारस्वत सम्मान' से अलंकृत किया गया।

सम्मान के उन्हें भारतीय सांस्कृतिक एवं सांगीतिक परंपराओं के शिक्षण-प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार, लेखन-संपादन, संरक्षण-संवर्धन तथा साहित्य-संगीत के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी योगदान के सम्मानस्वरूप प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप मंगल तिलक और माल्यार्पण कर, शॉल, उपर्णा, अंगवस्त्र, बुके, सम्मान-पत्र, फलों की टोकरी, पुस्तकों एवं श्रीमद्भगवद्गीता सहित नकद राशि भी भेंट की गई। इस गरिमामय अवसर पर देश के अनेक प्रतिष्ठित संगीतज्ञों, विद्वानों एवं कला-साधकों की उपस्थिति रहे।

साथ ही देश के विभिन्न अंचलों से पधारे दिग्गज शास्त्रीय संगीतज्ञों ने अपनी मनोरम प्रस्तुतियों से सभागार में उपस्थित सुधी श्रोताओं का मन मोह लिया।

ज्ञात हो कि यह आयोजन उस्ताद बड़े गुलाम अली खां साहब की शिष्या रही और "बंगाल की मीरा" के नाम से प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका विदुषी मीरा बंदोपाध्याय की की स्मृति में वाणिश्री संस्था ने किया था जिसका संयोजन प्रख्यात शास्त्रीय गायिका और मीरा जी की शिष्या डॉ. संघमित्रा चक्रवर्ती ने किया था। उस सफल आयोजन का संचालन पंडित देवेंद्र वर्मा ने किया।

श्रावण मास के पहले सोमवार, 3.81 लाख पार्थिव शिवलिंग बने

बेलपत्र-धतूरा, दूध-दही, पंचामृत से किया अभिषेक, यमुना में विसर्जन

■ ब्रज की माटी से बना रहे पार्थिव शिवलिंग, शिवभक्तों का ब्रज में अनूठा अनुष्ठान

■ ब्रज कृष्ण का धाम, शिव भी गोपेश्वर रूप में विराजमान: देवकीनंदन महाराज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृन्दावन।

श्रावण मास के पहले सोमवार को शिवभक्तों ने ब्रज की माटी से 3 लाख 81 हजार पार्थिव शिवलिंग बनाकर, दूध-दही, गंगाजल, शहद, बिल्बपत्र, धतूरा आदि से विधिपूर्वक अभिषेक किया । देवकीनंदन महाराज के साथ हजारों शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ की आरती उतार कर कन्हैया के ब्रज में षिव अराधना एवं अनुष्ठान का पंचम दिवस पूर्ण किया।

प्रियाकान्तजु मंदिर पर आयोजित 21 लाख पार्थिव शिवलिंग अनुष्ठान महोत्सव में सोमवार को शिवमहापुराण कथा श्रवण कराते हुये देवकीनंदन महाराज ने कहा कि कन्हैया के भक्तों से भगवान भोलेनाथ अत्यन्त प्रसन्न रहते हैं । उन्होने कहा कि ब्रज में रहकर शिवभक्ति करना सामान्य बात नहीं हैं । यह कन्हैया का धाम है लेकिन शिव भी यहाँ कृष्णभक्त बनकर गोपेश्वर रूप में विराजमान हैं ।

गोपेश्वर महादेव की कथा श्रवण कराते हुये देवकीनंदन महाराज ने कहा कि जब कन्हैया ने रास रचाया तो पुरूषों के प्रवेश वर्जित होने पर शिव ने गोपी का रूप धारण कर लिया। वृन्दावन में शिव, गोपेश्वर बन कर आज भी विराजित हैं ।

उपकेंद्र पर विशेष शिविर में 16 शिकायतें निस्तारित

टीएनएफ टुडे, चौमुंहा । उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के मुख्यालय के निर्देश पर चल रहे ह्वविशेष उपभोक्ता सेवा शिविर अभियानह्न के तहत सोमवार को चौमुंहा विद्युत उपकेंद्र पर शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बिजली बिलों और विद्युत सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया।

नोडल अधिकारी अधीक्षण अभियंता सत्य प्रकाश पांडेय तथा अधिशासी अभियंता कोसी सुरेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित शिविर में उपभोक्ताओं की बिजली बिल में त्रुटि, गलत रीडिंग दर्ज होने, मोबाइल नंबर अपडेट कराने और अन्य विद्युत संबंधी शिकायतों का निस्तारण किया गया। शिविर में बिल संबंधी नौ, मोबाइल नंबर अपडेट से संबंधित तीन तथा अन्य चार शिकायतों सहित कुल 16 मामलों का मौके पर समाधान किया गया। इस दौरान विभाग को 1.42 लाख रुपये का राजस्व भी प्राप्त हुआ। उपखंड अधिकारी चौमुंहा सर्वज्ञ श्रीवास्तव ने बताया कि यह विशेष उपभोक्ता सेवा शिविर अभियान एक अगस्त से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगा।

भारत वैश्विक पशुधन विकास का प्रमुख प्रेरक बनेगा- हागीवारा

■ दुवासु में एफएओ के भारत प्रतिनिधि ने दिया व्याख्यान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

एफएओ (संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन) के भारत प्रतिनिधि ताकायुकी हागीवारा ने अंतरराष्ट्रीय अकादमिक संवाद एवं आमंत्रित व्याख्यान में कहा कि भारत सतत कृषि, खाद्य प्रणालियों और पशुधन विकास के क्षेत्र में विश्व का प्रमुख प्रेरक बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान परंपरा और नवाचार की क्षमता उसे वैश्विक चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाती है।

श्री हागीवारा उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) में सोमवार को कार्यक्रम में वैज्ञानिकों को सम्बोधित कर रहे थे। श्री हागीवारा ने कहा कि पशुधन क्षेत्र खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और सतत कृषि विकास का महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में पशुधन उत्पादन को वैज्ञानिक निर्णय प्रणाली, जलवायु-अनुकूल उत्पादन तकनीकों, नवाचार तथा विश्वविद्यालयों, सरकारों, उद्योगों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय भारतीय परिप्रेक्ष्य में पशुधन क्षेत्र का भविष्य में एफएओ का दृष्टिकोण था। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, इंटर्न तथा अन्य हितधारकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस अवसर पर कुलपति, डॉ. अभिजित मित्र ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय अकादमिक कार्यक्रम विद्यार्थियों और शोधकताओं को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं तथा विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर भी विशेष बल दिया गया।

बीएसए कार्यालय पर शिक्षामित्रों का शक्ति प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, मथुरा। शिक्षा मित्रों ने मूल विद्यालय वापसी, स्थानांतरण के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के बैनर तले जिला अध्यक्ष खेमसिंह चौधरी के नेतृव में मूल विद्यालय वापसी, स्थान्तरण सहित शिक्षा मित्रों की विभिन्न मांगों के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर सैकड़ों शिक्षा मित्रों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति में प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश चन्द त्रिपाठी से वार्ता हुई, वार्ता में प्रभारी बीएसए ने कहा कि बीएसए मैडम जनपद में नही है मूल विद्यालय वापसी, स्थान्तरण उनके आते ही कर करवा दिए जाएंगे। लेकिन शिक्षा मित्रों की मांग थी कि जो भी आश्वासन आपके द्वारा दिया जा रहा है उसे लिखित में दिया जाए। प्रभारी ठै। द्वारा फोन पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से जब इस सम्बंध में वार्ता की गई तो ठै। रतन कीर्ति ने दिए गए आश्वासन को लिखित में देने से मना कर दिया।

फैशन एंड टैलेंट शो में बिखरे भारतीय संस्कृति के रंग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

स्थानीय स्तर पर कला और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 'आदिरेंज प्रोडक्शन' द्वारा आयोजित 'फैशन एंड टैलेंट शो 2026 (सीजन-3)' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में शहर और आसपास के क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में हर उम्र के प्रतिभागियों के लिए मंच सजाया गया था। इसमें मुख्य रूप से किड्स, टीनेज, मिस, मिसेज सावन, ब्राइडल एवं रिलेशन श्रेणी के तहत प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भारतीय संस्कृति और परंपरा पर आधारित राउंड्स शो की मुख्य विशेषता इसका सांस्कृतिक स्वरूप रहा।

प्रतियोगिता के सभी राउंड भारतीय परंपराओं, परिधानों और लोक-संस्कृति पर आधारित थे। प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा में रैंप वॉक कर भारतीय धरोहर की सुंदर झलक पेश की। जूरी एवं निर्णायक मंडल ने प्रस्तुतियों का गहन मूल्यांकन करने के बाद विजेताओं की घोषणा की गई,मिस कैटेगरीः सौम्या गौर (प्रथम)किड्स कैटेगरीः उर्वशी (विजेता) टीनेजर कैटेगरीः काना (विजेता) मिसेज कैटेगरी एवं 'बेस्ट सावन प्रेजेंटेशन' अवार्डः ललिता टाक ब्राइडल क्वीनः खुशी रिलेशन कैटेगरीः नंदिनी एवं जानवी सभी विजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा, सभी प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन हेतु उन्हें 'एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट' व स्मृति चिह्न दिए गए। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति एवं मंच संचालन कार्यक्रम में चीनु जैन, आयुषी जैन, केशवी, क्षमता यादव, अर्चना अग्रवाल, रिचा अग्रवाल, श्वेता बंसल एवं आकांक्षा सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मंच का सफल और प्रभावशाली संचालन एंकर अपूर्वा शर्मा ने अपनी ऊजार्वान शैली से किया। कुशल नेतृत्व और प्रबंधन पूरे समारोह का सफल आयोजन सीईओ आदित्य सिंह तथा आयोजिका नम्रता सिंह के कुशल नेतृत्व और देखरेख में हुआ।

महिला आयोग की अध्यक्ष पांच को आएंगी मथुरा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र ने बताया कि राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान द्वारा 5 अगस्त को पूर्वाह्न 11.45 बजे जनपद की महिलाओं की समस्याओं को सुनेंगी और पूर्व की जनसुनवाई में आई शिकायतों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार, सिविल लाईन्स करेंगी। उक्त जनसुनवाई में कोई भी महिला अपनी शिकायत या समस्यायें महिला आयोग की अध्यक्षा के समक्ष उपस्थित हो कर रख सकती हैं।

यूपी ओपन स्टेट रोलर स्केटिंग में चमके मथुरा स्केटर

टीएनएफ टुडे, मथुरा। झांसी में 1 एवं 2 अगस्त को आयोजित उत्तर प्रदेश ओपन स्टेट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप-2026 में मथुरा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अपने नाम किए। रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन, मथुरा के सचिव श्याम बेरा ने बताया कि इनलाइन वर्ग में लिशिका एवं आयांस ने दो-दो स्वर्ण पदक, श्रियांस ने एक रजत एवं एक कांस्य पदक, क्रिस्टल ने दो स्वर्ण पदक, जबकि साक्षी एवं वंशिका ने एक-एक रजत और एक-एक कांस्य पदक जीते। क्वाड वर्ग में विकास ने दो स्वर्ण तथा दिव्यम ने दो रजत पदक हासिल किए। टॉय स्केटिंग में अध्विक ने एक स्वर्ण एवं एक रजत, इवांस ने दो कांस्य, विदि ने दो रजत तथा अवनी ने एक कांस्य पदक जीतकर मथुरा का नाम रोशन किया। इस अवसर पर रोलर स्पोर्ट्स एसोसिएशन, मथुरा के अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा (मुन्ना भैया), उपाध्यक्ष राजकुमार यादव, आशीष लवानिया, राकेश सिंह, मनीष गुप्ता, कोषाध्यक्ष सतेंद्र सिंह, उप सचिव योगेश सिंह तथा सदस्य सनी, रीना चौधरी, राहुल सिंह, अभिषेक सिन्हा, चेतन शर्मा, मीनू, पंकज सोलंकी, देवेंद्र, सौरव, दीपक, विक्रांत एवं बानी ने खिलाड़ियों एवं कोच श्याम बेरा और सनी को बधाई दी। उपाध्यक्ष आशीष लवानिया ने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए अकादमी को इस शानदार सफलता पर बधाई दी।

श्रावण के पहले सोमवार को प्रशासन रहा सतर्क, व्यवस्था रही चाक चौबंद

डीएम, एसएसपी ने किया कावड मार्गों और शिव मंदिरों पर निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पवित्र श्रावण माह के पावन अवसर एवं सावन के प्रथम सोमवार के दृष्टिगत सुप्रसिद्ध श्री चिंताहरण महादेव मंदिर का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी सी पी सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने श्रावण माह के पावन अवसर पर पवित्र कांवड़ यात्राओं को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के संबंध में कृष्णापुरी तिराहा, लक्ष्मी नगर, लक्ष्मी नगर तिराहा, यमुना एक्सप्रेस वे राया कट, थाना राया क्षेत्रान्तर्गत बिचपुरी चौकी तथा अलीगढ़ बॉर्डर तक निरीक्षण किया। कांवड़ियों की सुविधाओं हेतु स्वास्थ्य, सुरक्षा, सीसीटीवी, पेयजल, यात्रा मार्ग, यातायात, साफ-सफाई आदि का जायजा लिया।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने दुकानदारों एवं मिष्ठान विक्रेताओं से अनुरोध किया कि गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों का प्रयोग करे। उन्होंने उप जिलाधिकारी महावन प्राजक्ता त्रिपाठी को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं हेतु अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करें, मंदिरों के प्रबंधकों से संवाद स्थापित करे तथा भीड़ नियंत्रण हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने श्री चिंताहरण महादेव मंदिर के निकट स्थित घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के

निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी महावन को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने उप जिलाधिकारी मांट चंद्रभूषण प्रताप को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में नियमित दूरी पर स्वास्थ्य टीम, एम्बुलेंस, सफाई कर्मचारी तथा पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यातायात सुचारू बनाए रखने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों को सुदृढ़ सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु पुलिस-प्रशासन कटिबद्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास का महापर्व है।

साफ-सफाई, गड्ढामुक्त सड़क, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, मोबाइल शौचालय, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, अग्निशमन व्यवस्था तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति हमारी प्राथमिकता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि संपूर्ण कांवड़ मार्ग का पैदल निरीक्षण करे तथा सुदृढ़, सुचारू यातायात व्यवस्था एवं सुगम आवागमन हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने पीस कमिटी की बैठक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

झुग्गी झोपड़ियों के बच्चों के साथ मनाया मित्रता दिवस, सच्ची मित्रता का अर्थ केवल अपने मित्रों तक सीमित नहीं होताः सतीश शर्मा

टीएनएफ टुडे, मथुरा। मित्रता दिवस के अवसर पर जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल नि:शुल्क शिक्षा केंद्र, मथुरा द्वारा झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले अभावग्रस्त परिवारों के बच्चों के साथ स्नेह एवं अपनत्व के साथ मित्रता दिवस मनाया गया। संस्था के संस्थापक सतीश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के साथ खेलकूद, संवाद एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। साथ ही बच्चों को मिठाई, बिस्कुट एवं नए वस्त्र वितरित किए गये। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और मित्रता दिवस की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर संस्थापक सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि सच्ची मित्रता का अर्थ केवल अपने मित्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के उन बच्चों तक भी प्रेम, सहयोग और अपनत्व पहुंचाना है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ साथ समाज में सेवा, संवेदना और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें नियमित शिक्षा से जुड़ने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

करहल में अज्ञात वाहन के कट से रजवाह में गिरी कार, नवविवाहिता की मौत

टीएनएफ टुडे, करहल (मैनपुरी)।

इटावा-मैनपुरी मार्ग पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में अज्ञात वाहन के कट लगने से एक कार अनियंत्रित होकर रजवाह में जा गिरी। हादसे में कार सवार नवविवाहिता की मौत हो गई, जबकि उसका देवर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। जानकारी के अनुसार भोगांव थाना क्षेत्र के गांव कोतपुर निवासी मुकुल अपनी भाभी सुमन पत्नी पंकज के साथ कार से जा रहे थे। जब उनकी कार करहल क्षेत्र में रतिभानपुर के पास रजवाह के निकट पहुंची, तभी सामने से आए एक अज्ञात वाहन ने कट मार दिया। अचानक वाहन को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रजवाह में जा गिरी। रजवाह में पानी होने के कारण कार तेजी से डूबने लगी और उसके अंदर पानी भर गया। कार में फंसे

दोनों लोग मदद के लिए चीख-पुकार करने लगे।

शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पाण्डेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और पुलिस ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य चलाकर कार में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सैफई मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

सैफई मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने जांच के बाद सुमन को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल मुकुल का उपचार जारी है। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया गया कि मृतका सुमन की शादी कुछ माह पहले ही हुई थी। उसके पति पंकज भारतीय सेना में तैनात हैं और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में उनकी पोस्टिंग है। पत्नी की असमय मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी, ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

सावन के पहले सोमवार पर शिवभक्ति में डूबा सिरसागंज: 'बम भोले' के जयकारों से गूंजे शिवालय

टीएनएफ टुडे, सिरसागंज।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर सिरसागंज नगर पूरी तरह शिवमय नजर आया। सुबह से ही नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम भोले' के जयघोष से गुंजायमान रहे, जिससे पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम दिखाई दिया।

भोर होते ही श्रद्धालु हाथों में दूध, गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, फल और अन्य पूजन सामग्री लेकर शिवालयों की ओर पहुंचने लगे। सुबह करीब छह बजे से शुरू हुआ दर्शन-पूजन का सिलसिला पूर्वाह्न तक लगातार जारी रहा। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और युवाओं ने भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और मंगलमय

जलाभिषेक के लिए उमड़ा आस्था का सैलाब

जीवन की कामना की।

श्रद्धालुओं ने 'ॐ नमः शिवाय' का मंत्रोच्चार करते हुए भगवान भोलेनाथ की आराधना की। मंदिरों में भजनों और शिव स्तुति की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर शांतिपूर्वक दर्शन किए और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रावण मास के पहले सोमवार को लेकर नगर के प्रमुख शिव मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई थीं। मंदिर परिसरों की साफ-सफाई, आकर्षक सजावट और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं। पूरे नगर में दिनभर शिवभक्ति का उत्साह देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर सावन के पावन पर्व का शुभारंभ किया।

सावन के पहले सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

शिवालयों में गूंजे 'बम-बम भोले' के जयकारे

टीएनएफ टुडे, करहल।

सावन के पहले सोमवार को क्षेत्र के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे। दिनभर शिवालयों में "हर-हर महादेव", "जय भोले" और "बम-बम भोले" के जयकारे गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

महिलाएं, पुरुष, बच्चे और युवा हाथों में पूजन सामग्री लेकर लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और देश में शांति की कामना की। कई श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान शिव की विशेष आराधना भी की।

श्रावण मास के पहले सोमवार को लेकर प्रशासन और पुलिस भी पूरी तरह सतर्क रही। प्रमुख शिवालयों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस लगातार निगरानी करती रही, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए।

मंदिर समितियों और स्वयंसेवकों ने भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, कतार व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। पूरे दिन श्रद्धालुओं का मंदिरों में आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। सावन के पहले सोमवार पर आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

क्रेडिट कार्ड के नाम पर ठगी की कोशिश, रुपये न देने पर कार को बम से उड़ाने की धमकी

टीएनएफ टुडे, करहल।

थाना क्षेत्र के नगला धारा निवासी हिर्देश कुमार को अज्ञात कॉलर द्वारा क्रेडिट कार्ड का फाइन भरने के नाम पर रुपये मांगने और इंकार करने पर उनकी कार को बम से उड़ाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने करहल पुलिस की शरण लेकर एक शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। हिर्देश कुमार ने बताया कि उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को एसबीआई क्रेडिट कार्ड से संबंधित कर्मचारी बताते हुए क्रेडिट कार्ड का फाइन जमा कराने के नाम पर 6,500 रुपये की मांग की। उन्होंने पहले बैंक से जानकारी लेने की बात कही, लेकिन कॉलर लगातार तत्काल भुगतान करने का दबाव बनाता रहा। इसी दौरान उसने व्हाट्सएप पर भी एक संदेश भेजा। पीड़ित के अनुसार जब उन्होंने भुगतान करने से साफ इंकार करते हुए कॉल को फर्जी बताया, तो कॉलर आगबबूला हो गया और जान-माल की धमकी देने लगा। कॉलर ने कहा, "जिस गाड़ी में तुम चलते हो, उस गाड़ी को मैं बम से उड़ा दूंगा।" इस धमकी के बाद हिर्देश कुमार और उनका परिवार दहशत में आ गया। उन्होंने तत्काल करहल पुलिस से संपर्क कर पूरी घटना से अवगत कराया और सुरक्षा के साथ-साथ आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष को दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर करहल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस कॉल करने वाले की पहचान और मोबाइल नंबर की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बैंक या क्रेडिट कार्ड के नाम पर आने वाली संदिग्ध कॉल और मैसेज से सतर्क रहें तथा किसी भी अनजान व्यक्ति को अपनी बैंकिंग जानकारी या रुपये न दें।

सरदार सिंह इंटर कॉलेज की जांच को तीन सदस्यीय समिति गठित, 10 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

टीएनएफ टुडे, करहल (मैनपुरी)।

करहल तहसील क्षेत्र के अंडनी गांव स्थित सरदार सिंह इंटर कॉलेज की मान्यता संबंधी शिकायत की जांच के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। शासन ने समिति को निर्देश दिए हैं कि वह 10 दिनों के भीतर अपनी जांच पूरी कर सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट उपलब्ध कराए। जानकारी के अनुसार, गांव अंडनी निवासी अभिषेक ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि कॉलेज प्रबंधन ने कथित रूप से जमीन के फर्जी अभिलेख तैयार कर मान्यता प्राप्त की और उसी के आधार पर विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति में मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, आगरा को अध्यक्ष, डीआईओएस को सदस्य सचिव तथा बीएसए, मैनपुरी को सदस्य बनाया गया है। समिति को पूरे प्रकरण की जांच कर 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 15 मई 2026 को शिकायत मिलने के बाद एसडीएम करहल ने भी मामले की जांच के आदेश दिए थे। नायब तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि प्रकरण से संबंधित एक वाद बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, मैनपुरी के यहां विचाराधीन है। वहीं, डीआईओएस सतीश कुमार ने कहा कि मामले की फाइल का अध्ययन किए बिना कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। फाइल देखने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट की जाएगी। मामले में जांच समिति के गठन के बाद अब 10 दिनों में रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

करहल में कई दिनों से उमस भरी गर्मी से राहत, बारिश से मौसम हुआ सुहावना

टीएनएफ टुडे, करहल (मैनपुरी)।

क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से सोमवार को लोगों को बड़ी राहत मिली। दोपहर बाद हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के चलते लोगों ने राहत की सांस ली, वहीं सड़कों पर भी ठंडक का एहसास हुआ। बारिश का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलने की उम्मीद है। क्षेत्र में धान की फसल इस समय बढ़वार की अवस्था में है और समय पर हुई वर्षा से फसल को पर्याप्त नमी मिलेगी। किसानों का कहना है कि बारिश से धान की पैदावार बेहतर होने की संभावना बढ़ गई है। कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे खिल उठे। हालांकि, कुछ निचले इलाकों और बाजारों में जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली, जिससे लोगों को आवागमन में हल्की परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद अधिकांश लोगों ने बारिश का स्वागत किया और इसे मौसम व खेती दोनों के लिए लाभदायक बताया। कृषि जानकारों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह संतुलित बारिश होती रही तो धान सहित अन्य खरीफ फसलों को भी अच्छा लाभ मिलेगा।

जिलाधिकारी के आदेश के बाद कब्जा लेने पहुंचे दंपति पर हमला, महिला अधिवक्ता ने फायरिंग व मारपीट का लगाया आरोप

टीएनएफ टुडे, करहल (मैनपुरी)।

करहल थाना क्षेत्र के नगला अनिया गांव में भूमि विवाद को लेकर एक महिला अधिवक्ता ने कई लोगों पर जानलेवा हमला, फायरिंग, मारपीट, अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाना पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

चांदेश्वर रोड, कोतवाली मैनपुरी निवासी अधिवक्ता नर्मदा पत्नी विवेक कुमार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पति की भूमिधर भूमि पर लंबे समय से विपक्षी पक्ष का कथित अवैध कब्जा था। इस संबंध में जिलाधिकारी को शिकायत की गई थी। आरोप है कि जिलाधिकारी के 30 जुलाई 2026 के आदेश के बाद तहसील प्रशासन द्वारा कब्जा दिलाने की कार्रवाई प्रस्तावित थी। इसी क्रम में सोमवार को वह अपने पति और परिजनों के साथ ट्रैक्टर लेकर खेत पर पहुंची थीं तथा प्रशासनिक अधिकारियों का इंतजार कर रही थीं।

महिला अधिवक्ता का आरोप है कि इसी दौरान नामजद और कुछ अज्ञात लोग असलहों के साथ मौके पर पहुंचे और उनके पति पर हमला कर दिया। आरोप है कि रायफल की बटों और लाठी-डंडों से मारपीट की गई। बीच-बचाव करने पर उनके साथ भी धक्का-मुक्की, गला दबाने, अभद्रता और कपड़े फाड़ने जैसी घटनाएं हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की, जिसमें वह और उनके पति बाल-बाल बच गए।

तहरीर में यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने ट्रैक्टर में तोड़फोड़ की, दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए तथा पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी। महिला का यह भी आरोप है कि घटना के दौरान उनकी सोने की चेन कहीं गिर गई। उन्होंने डायल 1090 पर सूचना देने का प्रयास किया, लेकिन तभी तहसीलदार के पहुंचने की सूचना मिलने पर आरोपी वहां से भाग गए।

पीड़िता ने घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं और आरोप लगाया है कि पिछले कई दिनों से उन्हें लगातार धमकाया जा रहा था। उन्होंने पुलिस से नामजद आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर पूर्व चैयरमैन चौधरी संजीव यादव, पूर्व चैयरमैन के भाई प्रशांत यादव टीटू पुत्रगण बदन सिंह निवासी नगला अनिया, रिंकू पुत्र सुभाषचंद्र यादव निवासी अहलादपुर, मनोज पुत्र फौरन सिंह, निशांत कुमार नीशू पुत्र रामकृपाल निवासी नगला अनिया, सत्यम पुत्र राकेश निवासी अज्ञात समेत 3 अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई।

त्योहारों व कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जनपद में 31 अगस्त तक धारा-163 लागू

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

अपर जिला मजिस्ट्रेट श्यामलता आनन्द ने बताया कि जनपद में आगामी पर्व एवं त्योहारों तथा श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को देखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (भा.ना.सु.सं.) की धारा-163 लागू कर दी गई है।

एडीएम ने बताया कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस तथा 28 अगस्त को ईद-ए-मिलाद (बारावफात) और रक्षाबंधन के पर्व मनाए जाएंगे। इसके अलावा श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों का आवागमन लगातार जारी है। इन अवसरों पर असामाजिक एवं अराजक तत्व अथवा कुछ संगठन अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विभिन्न जातियों, समुदायों एवं वर्गों के बीच वैमनस्य और तनाव का माहौल पैदा कर लोक शांति भंग करने का प्रयास कर सकते हैं।

इन्हीं संभावनाओं को देखते हुए जनपद की सीमा के भीतर शांति, जनसुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से धारा-163 लागू की गई है।

एडीएम ने बताया कि यह आदेश 31 अगस्त 2026 की रात्रि तक प्रभावी रहेगा, अथवा बीच में वापस लिए जाने तक लागू रहेगा।

आदेश की किसी भी धारा या निर्देश का उल्लंघन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की संबंधित धाराओं के अंतर्गत दंडनीय अपराध माना जाएगा।

डीएम का जूम मीटिंग से रियलिटी चेक, समय से कार्यालय न पहुंचने वाले 18 अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोका

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने मंगलवार सुबह जूम मीटिंग के माध्यम से अधिकारियों की समय से कार्यालय में उपस्थिति का रियलिटी चेक किया। सुबह 10:10 बजे आयोजित समीक्षा में कई अधिकारी कार्यालय के बजाय रास्ते में मोबाइल से जुड़े मिले, जबकि कुछ अधिकारियों ने क्षेत्र में शिकायतों के निस्तारण में होने की जानकारी दी।

जिलाधिकारी द्वारा जूम मीटिंग के माध्यम से उपस्थिति की जांच करने पर 18 अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में अनुपस्थित पाए गए। इनमें खंड शिक्षाधिकारी घिरोर व कुरावली, बाल विकास परियोजना अधिकारी बेवर, घिरोर व बरनाहल, प्रभारी चिकित्साधिकारी बेवर व कुरावली, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) घिरोर, बरनाहल, करहल व कुरावली तथा पशु चिकित्साधिकारी बेवर, सुल्तानगंज, घिरोर, करहल, जागीर, कुरावली और किशनी शामिल रहे।

अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों के आज के वेतन आहरण पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही समय से कार्यालय न पहुंचने पर सभी से स्पष्टीकरण भी तलब किया गया।

डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी अधिकारी और कर्मचारी समय से कार्यालय पहुंचें तथा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जन शिकायतों का निस्तारण करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन ठीक 10 बजे अपने-अपने कार्यालय से जूम मीटिंग में जुड़ें। भविष्य में यदि कोई अधिकारी अनुपस्थित पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ राजकीय बाल गृह का औचक निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ राजकीय बाल गृह का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान जिलाधिकारी ने बाल गृह में रह रहे बच्चों की देखभाल, पढ़ाई, स्वास्थ्य सुविधाओं और आवास व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया।

जिलाधिकारी को बताया गया कि इस बाल गृह में 50 बालक आवासित है, जिलाधिकारी ने बेहद स्नेह पूर्ण वातावरण में संवाद किया, बच्चों से उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में पूंछा, जिस पर बच्चों ने यहां मिल रही सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया, बातचीत के दौरान कुछ बच्चों ने अपने माता-पिता के पास जाने की इच्छा जताई। जिलाधिकारी ने संबंधित प्राबेशन अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन बच्चों के घर का पता संभव हो सके, उन्हें नियमानुसार उनके परिजनों से मिलने की प्रक्रिया प्राथमिकता पर पूरी की जाए, जिलाधिकारी को बाल गृह के कर्मचारियों ने अवगत कराया कि यहां पर नियमित अंतराल पर डॉक्टरों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है, जिलाधिकारी ने बच्चों के अध्ययन स्तर को परखते हुए निर्देश दिए कि उनके शैक्षणिक विकास और स्वास्थ्य हमेशा प्राथमिकता पर रहें।

यहां पर बच्चों की काउंसलिंग कर रही नीलम भारती ने जिलाधिकारी को बताया कि हम यहां बच्चों के मानसिक स्तर को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं, जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को सीखने और सीखाने की प्रक्रिया अत्यंत सरल और सहज होनी चाहिए, जिससे बच्चे अपनों से बिछुड़ने के दर्द से मुक्त हो सके और मानसिक रूप से भी मजबूत बन सकें। इस बाल ग्रह में 10 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चे संरक्षित है। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि बाल गृह का मुख्य उद्देश्य केवल बच्चों को आश्रय देना नहीं, बल्कि उन्हें मुख्य धारा से जोड़ना है, यह बच्चे ही देश के भविष्य के निमार्ता हैं, इनके स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ सबसे अधिक प्यार-दुलार और सहानुभूति की आवश्यकता है, जब हम बच्चों के साथ संवेदनशीलता और स्नेह से व्यवहार करेंगे, तभी उनके भीतर सकारात्मक बदलाव आएगा और वह समाज में बराबरी के साथ आगे बढ़ सकेंगे, जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि साथी में बन रहा नवीन बाल गृह में शीघ्र ही आवासित कराया जाएगा, इस अवसर पर प्रोवेशन अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

ओवररेटिंग और कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई, किसानों का शोषण किसी कीमत पर नहीं होगा बर्दाश्त: डीएम

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कृषि विभाग के अधिकारियों, उर्वरक थोक विक्रेताओं एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद के किसानों को यूरिया और डीएपी सहित सभी उर्वरक निर्धारित सरकारी दरों पर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि उर्वरकों की ओवररेटिंग, कालाबाजारी, कृत्रिम अभाव पैदा करने या किसानों को अन्य उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की सुसंगत धाराओं में कठोर दंडात्मक

कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि अन्नदाताओं का किसी भी स्तर पर शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन का उद्देश्य किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना है, न कि ईमानदार व्यापारियों को परेशान करना। उन्होंने कहा कि यदि किसी दुकानदार को भी अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया जाता है तो प्रशासन उसकी शिकायत पर भी त्वरित कार्रवाई करेगा।

उन्होंने जिला कृषि अधिकारी एवं उप कृषि निदेशक को निर्देश दिए कि सभी सहकारी समितियों, राजकीय कृषि बीज भंडारों तथा निजी उर्वरक दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी उपलब्ध रहे। किसानों को यूरिया निर्धारित मूल्य 266.50 रुपये प्रति बोरी तथा डीएपी 1350 रुपये प्रति बोरी की दर से ही मिले। किसी भी दुकान पर अधिक कीमत वसूलने या यूरिया के साथ दवा, बीज अथवा अन्य उर्वरक खरीदने के लिए किसानों पर दबाव डालने की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी दुकानों पर इस संबंध में सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने थोक विक्रेताओं को अनावश्यक भंडारण न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि कृत्रिम संकट उत्पन्न करने का प्रयास करने वालों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। उन्होंने एआर को-ऑपरेटिव एवं पीसीएफ प्रबंधक को निर्देशित किया कि गोदामों में उपलब्ध बफर स्टॉक का तत्काल सहकारी समितियों एवं दुकानों पर वितरण कराया जाए ताकि किसानों को समय पर उर्वरक मिल सके।

बैठक के दौरान विभिन्न कंपनियों के कई डीलर अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि अनुपस्थित डीलरों के पिछले छह माह के उर्वरक क्रय-विक्रय की जांच कराई जाए। जांच में अनियमितता मिलने पर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश चंद्र, उप कृषि निदेशक नरेंद्र कुमार त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी अविशांक चौहान सहित संबंधित अधिकारी एवं उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तटबंधों की निगरानी की जरूरत, बढ़ रहा गंगा नदी का जल स्तर

- बैराजों से निरंतर हो रहा गंगा नदी में पानी का डिस्चार्ज
- डीएम ने सिंचाई विभाग को निर्देश, तटबंधों की करें निगरानी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

कछला गंगा नदी अब उफान पर है। बढ़ता जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर वह रहा है। बैराजों से पानी के डिस्चार्ज की निरंतरता बनी हुई है। हालत चिंताजनक बने हुये हैं । किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए सिंचाई विभाग और प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। डीएम ने तट बंधों की निगरानी के निर्देश सिंचाई एवं राजस्व विभाग को दिए हैं।

बैराजों से निरंतर पानी का डिस्चार्ज गंगा नदी में हो रहा है जिससे गंगा के जल स्तर में प्रति दिन बढ़ रहा है सोमवार को हुए डिस्चार्ज से और अधिक बढ़ोत्तरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पानी का दबाव तटबंधों पर भी बढ़ रहा है यह चिंता का कारण है यदी किसी भी स्थिति ने कोई तटबंध क्षतिग्रस्त होता है तो तटवर्तीय ग्रामों की आबादी तक पानी पहुंच सकता है फिलहाल इसी स्थिति नजर नहीं आ रही है रविवार को पटियाली के एसडीएम आतिश कुमार बे तहसीलदार रामनयन, नायव तहसीलदार मुकेश कुमार के साथ गंगा के बढ़ते जल स्तर और तटवर्तीय ग्रामों का निरीक्षण किया था और आख्या डीएम को दी थी। जिला अधिकारी प्रणय सिंह ने गंगा की पल पल की स्थिति पर नजर बनाए रखने और तटबंधों के विशेष निगरानी के निर्देश सिंचाई और राजस्व विभाग को दिए हैं।

जिले मुख्यालय पर बने बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट करने की कहा है।

बैराजों से गंगा नदी में पानी का डिस्चार्ज।

हरिद्वार बैराजः 93702क्यूसेक
बिजनौर बैराजः 112651क्यूसेक

नरौरा बैराजः 153173क्यू सेक

गंगा नदी का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर चल रहा रहा है, तटबंध पूरी तरह सुरक्षित है। तटबंधों की विशेष निगरानी की जा रही है।

-आतिश कुमार, एसडीएम पटियाली।

आजादी से लेकर अब तक नगला मोती के बाशिंदों को नसीब नहीं हुई बिजली

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

- हजारों की आबादी सहित इंटर कॉलेज होने के बावजूद भी नहीं बना कंगरोल पर कट
- भ्रष्टाचार, अत्याचार, अन्याय, और शोषण के खिलाफ संगठित होकर लड़ेंगे किसान

रविवार को अखिल भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले संगठन के प्रमुख पदाधिकारी कार्यकताओं ने गांव नगला मोती, कंगरोल एवं मोहम्मदपुर का दौरा कर किसानों के साथ सीधा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें क्षेत्रीय किसानों ने स्थानीय समस्याओं के बारे में बताया कि आजादी के इतने लंबे समय के बावजूद भी गांव नगला मोती में आज तक बिजली देखने को नहीं मिली है बिजली के नाम पर विभाग में केवल लाइन खिंचवाकर लट्ठे गढ़वाकर केवल तार लटकवा दिए हैं। कुछ लोगों के द्वारा कनेक्शन लेने के बावजूद केवल कनेक्शन के नाम पर घरों में मीटर लगवा कर केवल बिछवा दी है। किन्तु बिजली की सप्लाई आज तक नहीं दी गई है। जिससे गांव वासियों को विद्युत संचालित उपकरण आदि का भी कोई लाभ नहीं मिल रहा है। एक तरफ मोदी सरकार ने केरोसिन तेल की सप्लाई बंद कर दी है जिससे कि अंधेरे में गांव के बच्चे न तो पढ़ सकते हैं ना ही लोग रोशनी में खेत आदि से कम कर लौटने पर रात्रि के अंधेरे में भोजन आदि करने को बाध्य हैं पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है आदि वासियों की तरह जीवन यापन करने को बाध्य हैं शासन प्रशासन लाख वादे करे लेकिन धरातल पर कुछ भी नहीं है वही आज तक विद्युत सप्लाई शुरू न होने की वजह से क्षेत्र वासियों में काफी आक्रोश है वहीं गांव कंगरोल पर उपस्थित सैकड़ो किसानों ने अवगत कराया की गांव कंगरोल पर नेशनल हाईवे में कट बनने से मोहम्मदपुर और कांगरोल की हजारों की आबादी को लाभान्वित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा साथ ही गंगरौल गांव पर स्थित इंटर कॉलेज में अध्ययन करने वाले बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को भी लाभ मिलेगा कट काफी दूर होने की वजह से कई बार छात्र-छात्राएं विद्यालय में आने में भी लेट हो जाते हैं वहीं जल्दी में पहुंचने की सोच की वजह से कई बार छात्र-छात्राएं गलत साइट पर भी यात्रा करने को मजबूर होते हैं जिससे बड़ी संख्या में परिजन बच्चों के साथ कंही कोई हादसा न हो जाए जिसकी आशंका की वजह से तनाव में बने रहते हैं साथ ही बैठक में उपस्थित लोगों ने भ्रष्टाचार, अत्याचार, अन्याय, शोषण के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने का आश्वासन दिया जिस पर सभी सम्मानित साथियों ने तय किया कि क्षेत्रीय समस्याओं सहित प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर वृहद रूप से आंदोलन चलाया जाएगा। जिसमें समस्त सम्मानित क्षेत्र के किसान नौजवान मजदूर महिलाएं बढ़चर का भागीदारी कर सहयोग करने का काम करेंगे। हर समस्या का हरहाल में समाधान कराया जाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल संघर्षी, प्रदेश सचिव बबलू नागर, मंडल प्रभारी जदुवीर सिंह, ठाकुर अखंड प्रताप सिंह, रामनिवास वर्मा, अशोक कुमार, पुष्पेन्द्र कुमार, अर्जुन सिंह यादव, सौरभ उर्फ सोनू सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा सहित विभिन्न योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथि 5 अगस्त तक बढ़ी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

सहायक निदेशक मत्स्य प्रकाश चंद्र ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 05 अगस्त 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित थी। उन्होंने बताया कि जनसामान्य की सुविधा एवं अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने के उद्देश्य से विभागीय पोर्टल पर आवेदन की अवधि बढ़ाई गई है। इच्छुक लाभार्थी विभागीय पोर्टल ˝३३स्र://प्र२˝-्१िप्री२.४स्र.ॅङ्क५.्रल्ल?? के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन योजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, उनमें मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आईसबॉक्स परियोजना एवं माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना, अंतदेर्शीय खारे जल क्षेत्रों में नए तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योजनाओं का विस्तृत विवरण, पात्रता, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया तथा आवश्यक अभिलेखों की जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व वर्षों में निरस्त अथवा प्रतीक्षारत आवेदक भी पुनः आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, एटा अथवा मोबाइल नंबर 9758590909 पर संपर्क कर सकते हैं।

अपना घर आश्रम कार्यकारिणी की बैठक में आगामी सेवा कार्यों की रूपरेखा पर हुआ मंथन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

जैन गढ़ी स्थित अपना घर आश्रम परिसर में अपना घर आश्रम कार्यकारिणी की आवश्यक बैठक संस्थापक मदनलाल वार्ष्णेय की अध्यक्षता एवं सचिव चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही की समीक्षा एवं पुष्टि के बाद आगामी सेवा कार्यों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राकेश बंसल एवं शरद अग्रवाल ने कहा कि अपना घर आश्रम केवल एक संस्था नहीं, बल्कि मानव सेवा का सशक्त माध्यम है। सभी पदाधिकारियों एवं सेवा साथियों को समर्पित भाव से जरूरतमंद, असहाय एवं प्रभुजनों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। अनिल अग्रवाल एवं बीना गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि आश्रम की सेवा गतिविधियों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ना आवश्यक है। सेवा, संवेदना और सहयोग की भावना से ही आश्रम अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर सकता है।

मैक्स वाहन की टक्कर से बाइक सवार कांवड़िया की मौत, साथियों के साथ कछला गंगा घाट से कावड में लेकर आ रहा था जल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

सोरों कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को कछला से कावड में जल लेकर लौट रहे बाइक सवार कावड़िया की मैक्स वाहन की टक्कर से मौत हो गई, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिला आगरा के थाना वाह निवासी मनीष अपने बीस पच्चीस साथियों के साथ कछला गंगा घाट से गंगाजल लेने आए हुए थे, कांवड़िये रविवार की घाट पर पहुंच गए थे सुबह जल लेकर कबाड़ियों का जत्था कछला से चल था कुछ साथी कबाड़ लिए थे तो कुछ पानी बाइक से चल रहे थे। मनीष बाइक पर था। जब वह सोरों कोतवाली क्षेत्र में कासगंज सोरों मार्ग पर था तभी मार्ग से गुजर रहे तेजरफ्तार मेक्स वाहन ने टक्कर मार दी जिससे मनीष गंभीर रुप से घायल हो गया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसी मृत घोषित कर दिया। साथी की मौत से कावड़ियों में शोक की लहर दौड़ गई, सूचना मनीष के परिजनों को दे गई जानकारी मिलने पर परिजन कासगंज पहुंच गए थे।

संगठन विस्तार में जुटी सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

- समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने ली सदस्यता
- नूर मियां को जिला संगठन मंत्री व श्रीकृष्ण गौतम को किसान मोर्चा जिला संयोजक पद का सौंपा नियुक्तिपत्र

सांसद चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी (काशीराम) ने वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के अलावा दिल्ली में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान अपनी खास उपस्थिती दर्शाने वाली आजाद समाज पार्टी अब यूपी में सभी सीटों पर अपनी मौजूदगी दर्शाकर बहुजन मुकाम हासिल करने पर आमादा है। इसी के मद्देनजर विपक्षी दलों में सेंध लगाने के दलीय प्रयास जारी हैं। रविवार को शहर के आगरा रोड स्थित चमकरी ग्राम पंचायत के निकट आजाद समाज पार्टी के कार्यालय पर समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं ने अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

इस दौरान सपा और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने सांसद चंद्रशेखर आजाद में अपनी निष्ठा जताते हुए ऐलान किया कि वह उनके संघर्ष, उनके हौसले और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में उन जैसी शख्सियत की जरूरत महसूस कर रहे थे।

आम जनता भी उनके संघर्ष की कायल हो चुकी है। ऐसे में आने वाले राजनीतिक भविष्य को देखते हुए राजनीतिक सुधार लाने के दष्टिगत वह आजाद समाज पार्टी में पूरी निष्ठा और लगन से बिना किसी पद और लालच के संगठन का कार्य करते हुए पार्टी को आगे ले जाने का काम करते रहेंगे।

पैसेंजर ट्रेन के इंजन से उठे धुएं के गुबार, हादसा टला

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- बरेली से कासगंज आ रही ट्रेन में सोरों के समीप हुई घटना
- ट्रेन में सवार यात्रियों में मची भगदड़, मौके पर पहुंची दमकल

बरेली से कासगंज की ओर जा रही पेसेंजर ट्रेन संख्या 55328 के इंजन में सोमवार सुबह अचानक धुएं के गुबार उठे। यह हादसा मानपुर नगरिया और सोरों रेलवे स्टेशन के बीच हुआ। इंजन से धुएं के गुबार उठते देख लोको पायलट ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन को बीच रास्ते में ही रोक दिया। ट्रेन के यात्रियों के बीच अफरा तफरी मच गई। कोई जनहानि नहीं हुई है

घटना सुबह लगभग 10 बजे की बताई जा रही है। ट्रेन संख्या 55328 अपने निर्धारित समय के अनुसार सुबह लगभग 10:00 बजे नगरिया स्टेशन पहुंचती है। नगरिया स्टेशन से रवाना होने के बाद जैसे ही ट्रेन मानपुर नगरिया और सोरों रेलवे स्टेशन के बीच पहुंचीइं जन के आंतरिक हिस्से में तकनीकी खराबी के चलते आग लग गई।

इंजन से उठते धुएं केगुबार देखकर ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। जैसे ही ट्रेन रुकी, घबराए यात्री अपनी जान बचाने के लिए बदहवास होकर नीचे उतरने लगे। गनीमत रही कि आग इंजन तक ही सीमित रही और डिब्बों (कोच) तक नहीं फैली, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ह्लट्रेन से अचानक तेज धुआं निकलने लगा और लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। लोग डर के मारे डिब्बों से बाहर उतरने लगे थे।

मौके पर पहुंचे दमकल वाहन और पुलिस

घटना की सूचना तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम, एवं स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

कई ट्रेन हुई प्रभावित।

इंजन में धुएं के गुबार उठने की घटना के चलते बरेली-कासगंज रेलखंड पर ट्रेनों का आवागमन बाधित हो गया।

यात्री रेल गाड़ियों के अलावा मालगाड़ी भी प्रभावित हुई। सवारी गाड़ी के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सितंबर में शहर की सड़कों होंगी कचरा मुक्त, अब गली-मोहल्लों में नहीं बिखरेगा कचरा-नगर निगम सितंबर से

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

शहर बनेगा कचरा मुक्त, सफाई व्यवस्था होगी अधिक प्रभावी और आधुनिक जगह जगह कचरे के ढेर से निजात मिलेगी। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने एक महत्वपूर्ण एवं अभिनव पहल करते हुए नगर निगम के सभी 90 पार्षद वार्डों में आगामी सितंबर माह से टिप कार्ट मशीनष के संचालन के निर्देश दिए हैं। इस नई व्यवस्था के लागू होने से गली-मोहल्लों में हाथगाड़ी एवं साइकिल रिक्शा के माध्यम से कचरा ढोने के दौरान सड़क पर कचरा गिरने की समस्या पूरी तरह समाप्त होगी तथा शहर की सड़कों एवं गलियों को कचरा मुक्त बनाने के लक्ष्य को गति मिलेगी। शनिवार को शहर में घर-घर से कूड़ा संग्रहण का कार्य कर रही अर्बन कंपनी द्वारा नगर निगम के टाटा एसीएस (ज।ज। ।ब्) वाहन पर विशेष तकनीकी अटैचमेंट लगाकर तैयार की गई टिप कार्ट मशीन का प्रदर्शन (डेमो) नगर आयुक्त के समक्ष किया गया। मशीन की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं दक्षता का अवलोकन करने के बाद नगर आयुक्त ने इसे अत्यंत उपयोगी बताते हुए आगामी सितंबर माह से सभी 90 वार्डों में लागू करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने बताया कि टिप कार्ट मशीन एक हाइड्रोलिक अथवा मैकेनिकल लिफ्टिंग सिस्टम आधारित कचरा ट्रांसफर अटैचमेंट है, जिसे छोटे वाणिज्यिक वाहनों जैसे टाटा एसीई (ज।ज। ।ब्) पर लगाया जाता है। यह मशीन हाथगाड़ी, ट्रॉली अथवा साइकिल रिक्शा में एकत्रित कचरे को बिना हाथ लगाए सुरक्षित तरीके से वाहन में स्थानांतरित करती है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल घर घर से कचरा उठाना नहीं बल्कि कचरा परिवहन की पूरी प्रक्रिया को आधुनिक, वैज्ञानिक स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाना है। वर्तमान व्यवस्था में सफाई कर्मचारी हाथगाड़ी अथवा साइकिल रिक्शा से एकत्रित कचरे को दूर स्थित डंपिंग प्वाइंट तक ले जाते हैं, जिससे रास्ते में कचरा गिरने, दुर्गंध फैलने तथा सफाई कर्मचारियों को अनावश्यक दूरी तय करने जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। टिप कार्ट मशीन इन सभी समस्याओं का स्थायी समाधान प्रस्तुत करेगी। महापौर प्रशान्त सिंघल ने कहा स्वच्छ सुंदर और आधुनिक अलीगढ़ हमारा संकल्प है। नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था में तकनीक का इस्तेमाल करते हुए सभी 90 वार्डों में टिप कार्ट मशीन लागू करने का निर्णय एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे गली-मोहल्लों में कचरा बिखरने की समस्या समाप्त होगी सफाई व्यवस्था अधिक व्यवस्थित बनेगी तथा सफाई कर्मचारियोंके कार्य करने की क्षमता और सुविधा दोनों में वृद्धि होगी।

लायंस क्लब कासगंज को मिला बेस्ट सपोर्टिंग अवार्ड

लॉयन विजय राजपूत को अतिथि द्वारा दिया गया सम्मान पत्र

- अलीगढ़ में हुआ धर्मवीर वार्षिक सम्मान समारोह

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट द्वारा धर्मवीर" वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन नारायण सरोवर पोर्टको होटल आगरा रोड अलीगढ़ पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर संजीव तोमर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें लायंस क्लब कासगंज को धर्मवीर सम्मान दिया गया।

मानवता की निस्वार्थ सेवा, समाज के सर्वांगीण विकास एवं लायंस क्लब के सेवा ,आदर्श और समर्पित, उत्कृष्ट योगदान ,परिश्रम ,समर्पण ,नेतृत्व, क्षमता एवं प्रेरणादायी कार्यों के सम्मान स्वरूप बैस्ट स्पोर्टिंग अवार्ड से विजय राजपूत को धर्मवीर प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर मुख्य अतिथि लायन जितेंद्र सिंह चौहान एवं लायन डॉक्टर आर, एन, वर्मा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ,लायन संजीव तोमर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ,लायन अजय भार्गव उप गवर्नर प्रथम लायन अजय अग्रवाल उप गवर्नर द्वितीय ने सम्मानित किया । इस अवसर पर प्रदेश स्तर के अन्य क्लब भी मौजूद थे। कासगंज की मिले इस सम्मान पर क्लब के सदस्यों में हर्ष और उत्साह की लहर है।

सहपऊ के उधेना गांव में गर्भवती महिला की संदिग्ध मौत, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

हाथरस। सहपऊ क्षेत्र के गांव उधेना में एक गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
मृतका की पहचान ग्राम उधेना निवासी किशन उर्फ भुल्लन की 26 वर्षीय पत्नी सोनिया के रूप में हुई है। बताया गया कि सोनिया गर्भवती थी और गर्भ का अंतिम महीना चल रहा था। शनिवार को अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई।
परिजन पहले उसे सादाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर हाथरस रेफर कर दिया। हाथरस उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में ही सोनिया की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मामले की जांच की जा रही है।

सावन का पहला सोमवार: शिवालयों में उमड़ी श्रद्धा

गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक कर की पूजा अर्चना

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- मंदिरों में गूंजते रहे, हर हर महादेव के स्वर

सावन के प्रथम सोमवार को भगवान शिव की पूजा अर्चना की शिवायलों में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ी, श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन कर भगवान का गंगाजल से अभिषेक किया शिवालयों में हर हर महादेव के स्वर गूंजते रहे।
मान्यता है कि सावन के पवित्र माह में भगवान शिव की पूजा अर्चना करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है, इसी मान्यता के चलते सुबह से ही शहर के शिव मंदिरों में एक श्रद्धालुओं की कतार लगना शुरू हो गई। शिव भक्तों ने भगवान को फल, फूल, धतूरा, बेलपत्र, मिष्ठान, चढ़ाकर गंगाजल से जलाभिषेक किया। शहर के मनकामेश्वर मंदिर, बटेश्वर महादेव मंदिर, भूतेश्वर महादेव मंदिर, शेषनाथ मंदिर, शिव मंदिर, खिड़केश्वर मंदिर, सहित शहर के सभी शिव मंदिरों पर पूजा करने बालों की भीड़ रही। पूजा स्थलों के बाहर पूजा सामग्री की दुकानों सजी थी।
जिन से श्रद्धालु पूजा सामग्री और प्रसाद खरीदते दिखाई दिए। श्रदालुओं ने उपवास भी रखा, देर शाम भगवान की पूजा कर उपवास तोड़ा। शहर के अलावा, तीर्थ नगरी सोरों, सहावर, सिद्धपुर, मोहनपुर, ढोलना, पटियाली, गंजडुंडवारा के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी पूजा अर्चन के लिए शिव मंदिरों में श्रद्धालु पहुंचे।

एएमयू के पूर्व छात्र रियर एडमिरल एस.एम. उरूज, अथर बने भारतीय नौसेना अकादमी के प्राचार्य

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी कालिज के पूर्व छात्र रियर एडमिरल एस. एम. उरूज अथर ने केरल के एझिमाला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी के प्राचार्य का पदभार ग्रहण कर लिया है। यह अकादमी भारतीय नौसेना के अधिकारियों के प्रशिक्षण की प्रमुख संस्था है। रियर एडमिरल उरूज अथर ने वर्ष 1991 में जाकिर हुसैन इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की थी। उन्होंने वर्ष 1987 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की बारहवीं कक्षा की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था तथा इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में तीसरा स्थान हासिल किया था। इसके बाद फरवरी 1992 में उन्हें भारतीय नौसेना में अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। तीन दशक से अधिक के अपने गौरवपूर्ण सेवाकाल में उन्होंने नौसेना में अनेक महत्वपूर्ण परिचालन, शैक्षणिक और प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। मौसम विज्ञान, समुद्र विज्ञान तथा उपग्रह मौसम विज्ञान के विशेषज्ञ रियर एडमिरल अथर ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, पुणे तथा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद से उच्च स्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वह डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन तथा कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद के भी पूर्व छात्र हैं। वर्तमान दायित्व संभालने से पूर्व वह नौसेना मुख्यालय में नौसेना शिक्षा निदेशालय के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय नौसेना में शिक्षा नीति, व्यावसायिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कमोडोर (नौसेना शिक्षा) तथा नेवी एजुकेशन सोसायटी के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया और नौसेना द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों का मार्गदर्शन किया। भारतीय नौसेना अकादमी के प्राचार्य के रूप में रियर एडमिरल उरूज अथर अब अधिकारी कैडेटों के शैक्षणिक, व्यावसायिक, शारीरिक तथा नेतृत्व प्रशिक्षण की जिम्मेदारी संभालेंगे।

स्कूल संचालक के बेटे ने किशोरी से किया दुष्कर्म

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

दादों थाना क्षेत्र के निजी विद्यालय के पिछले गेट पर खड़े आरोपी ने किशोरी को आवाज देकर अपने पास बुलाया। इसके बाद वह किशोरी को जबरन विद्यालय के अंदर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर आरोपी मौके भाग गया।

दादों क्षेत्र के एक गांव में शनिवार शाम एक किशोरी के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने विद्यालय संचालक के बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर गांव के एक निजी विद्यालय के संचालक के बेटे योगेश कुमार पुत्र दुर्गेश कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि किशोरी शनिवार शाम घर से शौच के लिए निकली थी। इसी दौरान गांव में स्थित निजी विद्यालय के पिछले गेट पर खड़े आरोपी ने उसे आवाज देकर अपने पास बुलाया। इसके बाद वह किशोरी को जबरन विद्यालय के अंदर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर आरोपी मौके भाग गया। जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और किशोरी को अपने साथ लेकर थाना दादों पहुंचे। किशोरी को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है।

16वें राष्ट्रीय अंगदान दिवस पर अंगदान जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

सोमवार को वीरांगना अवन्तीबाई लोधी ऑटोनोमस स्टेट मेडिकल कॉलेज, एटा में आज 16वें राष्ट्रीय अंगदान दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह के कुशल निर्देशन एवं गरिमामयी उपस्थिति में अंगदान जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शरीर रचना विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक परासर ने एमबीबीएस विद्यार्थियों एवं मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अंगदान की शपथ दिलाई तथा अंगदान के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए सभी को अधिक से अधिक लोगों को इसके प्रति जागरूक करने और अंगदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अंगदान एक महान मानवीय कार्य है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह ने सभी को अंगदान करने की अपील की तथा इसे मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताते हुए सभी को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर अंगदान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, जिससे अनेक जीवन बचाए जा सकें।

कार्यक्रम में डॉ. मंजरी कुमारी (सांस्कृतिक प्रभारी), डॉ. मंजेश कुमार (सहायक आचार्य) एवं डॉ. रवीन्द्र कुमार (सहायक आचार्य) सहित संकाय सदस्य, एमबीबीएस छात्र-छात्राएँ, सीनियर जूनियर रेजिडेंट एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक लोगों को इस जीवनदायी अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित करना था

दतिया में नरोत्तम मिश्रा फैक्टर फेल या भाजपा की रणनीति में चूक?

एजेंसी, भोपाल।

मध्यप्रदेश के दतिया उपचुनाव में भाजपा की हार सिर्फ एक सीट गंवाने भर की कहानी नहीं है। इस नतीजे ने पार्टी की टिकट चयन से लेकन चुनावी रणनीति तक पर कई सवाल खड़े कर दिए है। सबसे ज्यादा चर्चा उस फैसले की है, जिसमें भाजपा ने अपनी परंपरागत सीट पर पूर्व गृहमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर नए चेहरे आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारा था।

समर्थकों की दूरी भी भाजपा की हार की बड़ी वजह?

पूरे चुनाव में मिश्रा चर्चा के केंद्र में रहे। टिकट नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने खुद को चुनाव से अलग नहीं किया। प्रचार में सक्रिय रहे, कार्यकताओं से लगातार संपर्क बनाए रखा और कई मौकों पर भावुक भी नजर आए। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जिताने के लिए मैदान भी संभाला, लेकिन जीत नहीं दिला सके। हालांकि उनका परिवार और समर्थक भी पहले की तरह सक्रिय दिखाई नहीं दिए। उनके बेटे भी चुनाव में गिने चुने मौकों पर ही नजर आए। नतीजों के बाद चर्चा है कि नरोत्तम मिश्रा खेमा उम्मीद के मुताबिक सक्रिय नहीं दिखा। समर्थकों की दूरी भी भाजपा की हार की बड़ी वजह मानी जा रही है। इस नतीजे का असर मिश्रा की राजनीति पर भी पड़ सकता है। दतिया लंबे समय से उनकी राजनीतिक पहचान का सबसे मजबूत गढ़ रहा है। ऐसे में इस सीट पर भाजपा की हार को उनके राजनीतिक प्रभाव से जोड़कर भी देखा जाएगा।

दतिया उपचुनाव का नतीजा मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनकी सरकार के लिए भी सियासी झटका माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने दतिया में 11,500 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश, नए उद्योग और विकास परियोजनाओं का ऐलान किया। रोड शो भी किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी दतिया में मोर्चा संभाला। संगठन के साथ सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री भी चुनावी मोर्चे पर डटे रहे। इसके बावजूद पार्टी अपनी पारंपरिक सीट बचाने में नाकाम रही। आमतौर पर उपचुनाव में सत्ता पक्ष को बढ़त मिलती है, लेकिन दतिया में यह समीकरण भी उलट गया।

उपचुनाव में मिली हार का असर अब प्रदेश भाजपा संगठन पर भी दिख सकता है। उम्मीदवार चयन में मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अहम भूमिका मानी जा रही थी। ऐसे में हार के बाद टिकट चयन, स्थानीय फीडबैक और चुनावी रणनीति को लेकर सवाल उठना तय है। पार्टी अब इस बात की समीक्षा करेगी कि आखिर कहां कमी रह गई, जिसके कारण मजबूत मानी जा रही सीट भी भाजपा के हाथ से निकल गई।

तीसरे उम्मीदवार ने भी बढ़ाई भाजपा की परेशानी

चुनावी नतीजे बताते हैं कि हार के पीछे सिर्फ एक वजह नहीं थी। जीत-हार का अंतर कम रहा। ऐसे में कम मतदान प्रतिशत, महिलाओं की अपेक्षाकृत कम भागीदारी, ग्रामीण और शहरी इलाकों में अलग-अलग मतदान रुझान और आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार दामोदर यादव की मौजूदगी जैसे कई कारकों ने मुकाबले को प्रभावित किया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इन सभी कारणों ने मिलकर चुनाव को भाजपा के लिए और मुश्किल बना दिया।

योगी की बड़ी घोषणा, बोले- एक-डेढ़ सप्ताह में लागू होगा आउटसोर्स कमीशन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र प्रारंभ होने से पहले सोमवार को पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने गरीब, युवा, महिला व किसान के मुद्दे पर विपक्ष को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि ये सभी डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता में हैं। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी पर भी विरोधी दलों के नेताओं पर सवालिया निशाना खड़ा करते हुए कहा कि जो लोग अयोध्या के मुद्दे को उठा रहे हैं, उन्होंने जयश्रीराम बोलने पर रामभक्तों पर लाठी-गोली चलवाई थी। राम मंदिर के खिलाफ न्यायालय में वकीलों की फौज खड़ी करके इसे बाधित करने का कुत्सित प्रयास किया। राम मंदिर में चंदा चोरी की बात वे लोग कर रहे हैं, जिनके जेब से मंदिर निर्माण के लिए एक पैसा भी नहीं निकला। देश-दुनिया इनका दोहरे चरित्र देख रही है। सीएम ने बड़ी घोषणा की कि सरकार एक-डेढ़ सप्ताह में आउटसोर्स कमीशन को लागू करने के साथ ही न्यूनतम मानदेय सुनिश्चित करने जा रही है। आंगनवाड़ी व आशा कार्यकताओं, रसोइयों व ग्राम चौकीदारों को भी उचित मानदेय प्राप्त हो और उनकी सेवाएं प्रदेश के हित को संवर्धित करने के लिए कार्य करें, इसके लिए अनुपूरक बजट का सहारा लिया गया है।

'राहुल और अखिलेश एफआईआर से नहीं डरते', पप्पू यादव का पलटवार

एजेंसी, नई दिल्ली।

सनातन धर्म के कथित अपमान के मामले में दर्ज एफआईआर पर निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव कभी एफआईआर से नहीं डरते। पप्पू यादव ने यह भी दावा किया कि उन्हें जान से मारने की 10 धमकियां मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अब ऐसे मामलों से डरने का सवाल ही नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह पूरे मामले की शिकायत लोकसभा अध्यक्ष से करेंगे।

पप्पू यादव ने कहा कि असली सवाल चंपत राय से जुड़ा है। उनके मुताबिक राहुल गांधी और अखिलेश यादव देश की आस्था को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी सदन की मयार्दा का अपमान नहीं किया और न ही किसी को अपशब्द कहे। इसलिए उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर का कोई आधार नहीं है।

एफआईआर का मामला क्या है? यह मामला संसद परिसर में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। वाराणसी पुलिस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव, समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद और अन्य विपक्षी सांसदों के खिलाफ सनातन धर्म का कथित अपमान करने और धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। यह मामला कोतवाली थाने में कुछ संतों की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था।

विरोध प्रदर्शन में क्या हुआ था?

विपक्षी दलों ने संसद में राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी और छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया था। इस दौरान एक सांकेतिक नाटक भी किया गया। मकर द्वार के पास दानपात्र रखे गए, जिनमें राहुल गांधी समेत कई सांसदों ने पैसे डाले। वहीं भगवा वस्त्र पहने पप्पू यादव को सांकेतिक रूप से मंदिर के पुजारी की भूमिका में दानपात्र का पैसा अपनी जेब में रखते हुए दिखाया गया। इसी प्रदर्शन को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी।

शिकायत में क्या आरोप लगाए गए थे?

शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि संसद में हुए इस सांकेतिक प्रदर्शन से सनातन धर्म का अपमान हुआ और करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। शिकायत के आधार पर वाराणसी पुलिस ने मामला दर्ज किया। वहीं पप्पू यादव का कहना है कि यह केवल एक राजनीतिक विरोध प्रदर्शन था। उनका दावा है कि न तो किसी धर्म का अपमान किया गया और न ही सदन की गरिमा का उल्लंघन हुआ। अब इस मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और कानूनी प्रक्रिया दोनों जारी हैं।

रूस के हवाई हमला से दहला यूक्रेन: 90 मिनट में गिराए आठ ग्लाइड बम

एजेंसी, कीव।

रूसी विमानों ने दक्षिणी यूक्रेनी शहर जापोरिजिया के आवासीय क्षेत्रों पर 90 मिनट के अंतराल में आठ शक्तिशाली ग्लाइड बम गिराए, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह जानकारी क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव ने सोमवार को दी।

सोवियत-युग के बम का किया इस्तेमाल

रूस ने चार साल से अधिक समय पहले अपने पड़ोसी देश पर आक्रमण करने के बाद से यूक्रेन के कस्बों और शहरों को तबाह करने के लिए ग्लाइड बमों का इस्तेमाल किया है। ये सोवियत-युग के बम हैं जिनमें मार्गदर्शन प्रणाली लगाई गई है। ये 3,000 किलोग्राम (6,600 पाउंड) तक विस्फोटक ले जा सकते हैं, जिससे बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं। यूक्रेन के पास इनके खिलाफ कोई प्रभावी जवाबी उपाय नहीं है।

कितने लोगों की मौत हुई?

फेडोरोव ने बताया कि रविवार शाम को जापोरिजिया पर हुए हमले में 71 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और 16 वर्षीय लड़की सहित 31 लोग घायल हो गए, जबकि बमों से शहर के चार जिलों में स्थित 22 अपार्टमेंट इमारतों को नुकसान पहुंचा।

पीओजेके में फिर पाकिस्तान पर चुनावी धांधली के आरोप

हिंसा के बीच शहबाज शरीफ की पार्टी बहुमत के करीब

एजेंसी, मुजफ्फराबाद।

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के नतीजों के बाद शहबाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच गई है। पार्टी ने 18 में से 14 सीटों पर जीत दर्ज की है। हालांकि पूरे चुनाव के दौरान हिंसा, धांधली के आरोप और सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने मतदान की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत पहले ही साफ कर चुका है कि पीओजेके उसका अभिन्न हिस्सा है और वहां कराया जा रहा चुनाव पाकिस्तान के अवैध कब्जे को छिपाने की कोशिश है।

दो चरणों के चुनाव के बाद पीएमएल-एन के खाते में कुल 23 सीटें आ चुकी हैं, जो 45

निर्वाचित सीटों वाली तथाकथित विधानसभा में बहुमत के लिए पर्याप्त हैं। तीसरा चरण 10 अगस्त को होना बाकी है, लेकिन मौजूदा नतीजों के आधार पर पार्टी की सरकार बनना लगभग तय माना जा रहा है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को दूसरे चरण में केवल चार सीटें मिली हैं। वहीं इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने चुनाव का बहिष्कार किया है।

क्या धांधली के आरोप लगे?

दूसरे चरण के मतदान के दौरान कई इलाकों में हिंसा हुई। एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने आरोप लगाया कि चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली हुई और नतीजे पहले से तय थे। पार्टी के नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग के सामने सबूत रखने के बावजूद शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। दूसरी ओर पीएमएल-एन ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। चुनाव के दौरान कई स्थानों पर भारी सुरक्षा बलों की मौजूदगी भी चर्चा का विषय रही।

भारत ने इन चुनावों पर क्या कहा है?

भारत लगातार कहता आया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं तथा पाकिस्तान ने इनके कुछ हिस्सों पर अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है। भारत ने पीओजेके में कराए जा रहे चुनावों को पाकिस्तान की ओर से अपने अवैध कब्जे को वैध दिखाने की कोशिश बताया है।

'मूर्ख की ताकत खत्म हो गई': यूएस-ईरान के बीच जुबानी जंग तेज

एजेंसी, तेहरान।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर संभावित सैन्य हमले को अस्थायी रूप से टालने की घोषणा के बाद ईरानी मीडिया ने उन पर तीखा हमला बोला और उनका मजाक उड़ाया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह फैसला क्षेत्र के कुछ देशों के अनुरोध के बाद लिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, "ईरान और अन्य पश्चिम एशियाई देशों ने हमसे किसी भी हमले को रोकने का अनुरोध किया है, क्योंकि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है।" उन्होंने यह भी कहा कि इस समझ के तहत "होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल, पूरी तरह और पूर्ण रूप से खोल दिया जाएगा।"

ईरान ने ट्रंप पर तंज कसते हुए क्या कहा?

वहीं, ईरान के सरकारी मीडिया में ऐसी कोई खबर नहीं आई, जिसमें सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए किसी अनुरोध की पुष्टि की गई हो या होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तेहरान के रुख में किसी बदलाव का संकेत दिया गया हो। इसके बजाय ईरानी समाचार एजेंसियों ने इस घटनाक्रम को अमेरिका के पीछे हटने के रूप में पेश किया। अर्द्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने इस खबर को प्रकाशित करते हुए लिखा, 'मूर्ख ट्रंप की ताकत खत्म हो गई है।'

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का 92वां दीक्षांत समारोह

कैमरा की नजर में दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय छात्र संघ पूर्व अध्यक्ष गौरव को पीएचडी उपाधि

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के 92वे दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष गौरव शर्मा को भी पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। गौरव शर्मा ने गणित विषय में पीएचडी पूर्ण की है। राज्यपाल द्वारा उन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की। गौरव शर्मा के शोध निदेशक, परिवारीजनों, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र नेताओं ने उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

पत्रकारिता में रेनू को स्वर्ण पदक और सुमित को रजत पदक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 92वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के ''के एम आई संस्थान'' में संचालित पत्रकारिता ''पी जी डी एम सी'' विषय में प्रथम अंक प्राप्त करने वाली छात्रा रेनू यादव) को ''डॉ अजय कुमार शर्मा स्मृति स्वर्ण पदक'' एवम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र सुमित शर्मा को ''आनंद शर्मा एवं कमलेश कुमारी शर्मा स्मृति'' रजत पदक प्रदान किया गया। इस अवसर पर दिवंगत पत्रकार एवं के एम आई संस्थान के शिक्षक डॉ.अजय शर्मा जी की धर्मपत्नी मृदु शर्मा, पुत्र बृजेश शर्मा एडवोकेट एवं पुत्र वधू शिखा शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। के.एम.आई. संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप श्रीधर एवं वरिष्ठ शिक्षक डॉ संदीप शर्मा ने विजेताओं को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

शिवजी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय है रुद्राभिषेक

श्रावण माह 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। इस माह में कई व्रत-त्योहार, जैसे नाग पंचमी, रक्षाबंधन व सावन शिवरात्रि मनाए जाएंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार शिव आराधना का पावन श्रावण माह इस बार 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा। पूरे माह शिव उपासकों को लगातार पूजा-अर्चना का अवसर मिलेगा। शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने की पूरी संभावना है। मंदिरों में विशेष आयोजन शुरू हो चुके हैं।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

श्रावण माह में शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

सावन का महत्व

हिंदू धर्म में सावन माह को भक्ति, व्रत, और साधना का महिना माना जाता है। मान्यता है कि इस समय सृष्टि का संचालन स्वयं भगवान शिव करते हैं। इस दौरान भक्त सोमवार का व्रत, रुद्राभिषेक, और शिवपुराण पाठ करते हैं। विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं द्वारा किए गए सोमवार व्रत को विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने वाला और मनचाहा जीवनसाथी पाने वाला व्रत माना गया है। इस पावन अवसर पर शिव मंदिरों में विशेष सजावट, जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पण और रात्रि जागरण जैसे कार्यक्रमों की तैयारियां भी जोरों पर हैं।

सावन महीने के हर मंगलवार को रखा जाता है मंगला गौरी व्रत

मंगला गौरी व्रत सावन महीने के हर मंगलवार को रखा जाता है और यह देवी पार्वती जिनका एक नाम गौरी भी है, उन्हें समर्पित है। मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए रखती हैं। वहीं, अविवाहित लड़कियां मनपसंद जीवनसाथी और शीघ्र विवाह के लिए यह व्रत रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत रखने से कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और घर में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहती है।

मंगला गौरी व्रत का महत्व

- मंगला गौरी व्रत रखने से विवाहित महिलाओं के वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। इस व्रत को रखने से पति को लंबी आयु मिलती है और उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
- ऐसी मान्यता है कि देवी पार्वती जिन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए घोर तपस्या की थी, इस व्रत को करने वाली सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देती हैं।
- यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, समझ और तालमेल को बढ़ाता है जिससे गृहस्थी खुशहाल रहती है। अविवाहित कन्याओं के लिए मंगला गौरी व्रत शीघ्र विवाह और मनपसंद जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है।
- जो लड़कियां योग्य वर की तलाश में हैं या विवाह में किसी प्रकार की बाधा का सामना कर रही हैं उन्हें यह व्रत पूरी श्रद्धा से करने की सलाह दी जाती है। देवी पार्वती की कृपा से उनकी इच्छाएं पूरी होती हैं और उन्हें सुयोग्य जीवनसाथी मिलता है जो उनके जीवन को सुखमय बनाता है।
- मंगला गौरी व्रत कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में सहायक होता है। मंगल दोष के कारण विवाह में देरी, वैवाहिक जीवन में समस्याएं या अन्य कष्ट आ सकते हैं।
- इस व्रत को करने से मंगल ग्रह के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।
- जिन दंपत्तियों को संतान प्राप्ति में कठिनाई आ रही है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत लाभकारी माना जाता है। देवी पार्वती को मातृत्व और सृजन की देवी माना जाता है।
- इस व्रत को सच्चे मन से करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है और संतान सुख की प्राप्ति में मदद मिलती है। यह व्रत संतान के स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए भी शुभ फलदायी होता है।

आखिर क्यों भगवान शिव को कहा जाता है महाकाल

सावन का महीना शुरू हो गया है। ऐसे में हर तरफ आप भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए लोगों को देखती होंगी। भगवान शिव को कई नामों से पुकारा जाता है। उन्हें महादेव, भोलेनाथ, शंकर, शंभू, आदि नामों से पुकारा जाता है, लेकिन आखिर क्यों उन्हें महाकाल पुकारा जाता है?

आखिर भगवान शिव को यह नाम क्यों मिला?

पौराणिक कथाओं के अनुसार उज्जैन में एक शिव भक्त ब्राह्मण निवास करता था। यहां पर रहने वाले लोग दूषण नाम के राक्षस के प्रकोप से डरते थे। लोग उसे काल के नाम से जानते थे। ब्रह्मा जी से दूषण को कई शक्तियां मिली थी, जिनका दुरुपयोग कर वह निर्दोष लोगों को परेशान करता था। राक्षस की शक्तियों के प्रकोप से ब्राह्मण काफी दुखी था, उसने भगवान शिव से राक्षस के नाश की प्रार्थना की, लेकिन भगवान ने काफी वक्त तक कुछ नहीं किया। प्रार्थनाओं का असर न होता देख एक दिन ब्रह्म भगवान शिव से नाराज हो गए और उनका पूजन बंद कर दिया। अपने ब्राह्मण भक्त को दुखी देख भगवान शिव हुंकार के रूप में प्रकट हुए और दूषण का वध कर दिया। क्योंकि लोग दूषण को काल कहते थे, इसलिए उसके वध के कारण भगवान शिव का नाम महाकाल पड़ा।

क्या होता है महाकाल का मतलब?

काल का मतलब होता है समय और महाकाल का मतलब हुआ है वह जो समय से परे है अथवा उसका नियंत्रणकर्ता है। मान्यताओं के अनुसार, शिव जी प्रलय, विघटन या मृत्यु के देव हैं और वह हमारे समय यानी काल को भी नियंत्रित करते हैं।

महाकाल की पूजा

राक्षस का वध करने के कारण बाबा महाकाल की पूजा का विशेष महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से बाबा महाकाल की आराधना करता है, उसे कभी मृत्यु का भय नहीं होता है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन के मंगला गौरी व्रत के दिन महिलाएं जरूर करें इन चीजों का दान

सनातन धर्म में मंगला गौरी का व्रत माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से दान-पुण्य करने का विधान है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव के साथ-साथ माता पार्वती को समर्पित होता है। इस पवित्र महीने के दौरान पड़ने वाले हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। यह व्रत विशेष रूप से सुहागिन स्त्रियों द्वारा अपने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए किया जाता है।

कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं। अब ऐसे में जो महिलाएं इस दिन दान-पुण्य कर रही हैं, उन्हें किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

करें हरी चूड़ियों का दान

मंगला गौरी व्रत विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए रखा जाता है। चूड़ियां सुहाग का प्रतीक होती हैं और इनका दान करने से माता पार्वती प्रसन्न होती हैं, जिससे सुहागिनों को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत के दिन सुहागिन महिला को चूड़ियों का दान करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम, शांति और मधुरता आती है। पति-पत्नी के बीच के कलेश दूर होते हैं और संबंध मजबूत होते हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत और इस दिन सुहाग की वस्तुओं, विशेषकर चूड़ियों का दान करना बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

काजल का दान

ज्योतिष शास्त्र में काजल को बुरी नज़र से बचाने वाला और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने वाला माना गया है। मंगला गौरी व्रत के दिन काजल का दान करने से वैवाहिक जीवन को लगी बुरी नजर उतर जाती है और दांपत्य जीवन में नकारात्मकता भी नष्ट होने लगती है। मंगला गौरी व्रत मुख्य रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है।

मसूर की दाल का दान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल गौरी व्रत मंगल ग्रह से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए रखा जाता है। मसूर की दाल का संबंध मंगल ग्रह से होता है, और इसे दान करने से कुंडली में मंगल की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके विवाह में बाधाएं आती हैं या वैवाहिक जीवन में परेशानियां रहती हैं।

मंगला गौरी व्रत के दिन मसूर की दाल का दान करने से इस दोष का प्रभाव कम होता है और वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है।

पहली बार टीम इंडिया में चुने गए आकिब

बुमराह की जगह टीम में मिला स्थान, फर्ग्यू में कुर्सी को बल्लेबाज मानकर करते थे अभ्यास

एजेंसी, मुंबई।

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान उनके बाएं घुटने में लगी चोट से वह अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में चयन समिति ने उनकी जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया है।

पहली बार मिला सीनियर टीम में मौका

आकिब नबी को पहली बार भारतीय सीनियर टीम में जगह मिली है। जम्मू-कश्मीर के इस युवा तेज गेंदबाज ने पिछले दो रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 104 विकेट लिए हैं। 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने 60 विकेट चटकाए और जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

क्यों मिली टीम में जगह

श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए जब भारतीय टीम का पहली बार एलान हुआ था, तो सबसे ज्यादा चर्चा एक नए नाम की थी- 29 साल के आकिब नबी को जगह क्यों नहीं मिली। जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज को दो शानदार घरेलू सत्र के बाद भी टीम में

शामिल नहीं किया गया। काफी बातें हुईं और पूर्व क्रिकेटरों ने चयनकर्ताओं पर निशाना साधा। हालांकि, उनके लिए टीम का रास्ता तब खुला, जब चोटिल जसप्रीत बुमराह सीरीज से बाहर हो गए।

आकिब को बुमराह का रिप्लेसमेंट बनाया गया और वह पहली बार भारतीय टीम में शामिल हुए। आकिब न सिर्फ एक शानदार तेज गेंदबाज हैं, बल्कि लोअर ऑर्डर के एक उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। ऐसे में उन्हें श्रीलंका में डेब्यू का मौका भी मिल सकता है। हालांकि, यह सिर्फ एक चयन की कहानी नहीं है। यह उस लड़के की कहानी है, जिसने कर्फ्यू में अपने घर के आंगन में कुर्सी को बल्लेबाज बनाकर घंटों गेंदबाजी की और आज उसी मेहनत ने उसे टीम इंडिया तक पहुंचा दिया।

जहां सपने थे, लेकिन सुविधाएं नहीं थीं

बारामूला में पले-बढ़े आकिब नबी के लिए क्रिकेट खेलना आसान नहीं था। वहां न तो अच्छी पिचें थीं और न ही अभ्यास करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं। कई बार कर्फ्यू के कारण मैदान तक पहुंचना भी संभव नहीं होता था। ऐसे माहौल में उन्होंने शिकायत करने के बजाय उपलब्ध संसाधनों से ही अपने सपनों को आकार दिया। आकिब याद करते हैं, 'मुश्किल यह नहीं था कि क्रिकेट खेलना चाहता था, मुश्किल यह थी कि सुविधाएं नहीं थीं। कश्मीर और जम्मू में अभ्यास के लिए अच्छी विकेटें नहीं थीं। मेरे पास सही उपकरण भी नहीं थे। जो कुछ उपलब्ध था, उसी से अभ्यास किया और खुद को तैयार किया।'
जब आंगन में लगी नेट और कुर्सी बनी बल्लेबाज उनकी जिंदगी की सबसे भावुक याद उन दिनों की है, जब बारामूला में कर्फ्यू लगा हुआ था। मैदान बंद थे, लेकिन उनका सपना नहीं रुका। उनके पिता ने घर के आंगन में अस्थायी नेट लगाई और एक कुर्सी को बल्लेबाज मानकर आकिब घंटों गेंदबाजी करते रहे। ढलती शाम तक वह अपनी लेंथ और लाइन सुधारते रहते। आकिब बताते हैं, 'उन दिनों विकेटें बहुत कम थीं। जो था, उसी में काम चलाना पड़ता था।' बेहतर सुविधाओं की तलाश में उन्हें रोज करीब 60 किलोमीटर दूर श्रीनगर तक जाकर अभ्यास करना पड़ता था।

अंडर-19 से शुरू हुआ सफर, लगातार मेहनत से मिली पहचान

आकिब नबी की मेहनत का असर पहली बार 2015 में दिखा, जब उन्होंने जम्मू-कश्मीर की अंडर-19 टीम से डेब्यू किया। इसके बाद वह अंडर-23 टीम तक पहुंचे। इस दौरान सी.के. नायडू ट्रॉफी में केरल के खिलाफ पांच विकेट लेकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का दमदार परिचय दिया। इसके बाद 2018 में उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में और दो साल बाद प्रथम श्रेणी (फर्स्ट क्लास) क्रिकेट में डेब्यू किया। शुरुआती प्रदर्शन शानदार रहा। पहले दो लिस्ट-ए सीजन में उन्होंने 18 मैचों में 22.55 की औसत से 34 विकेट लिए, जबकि अपने पहले फर्स्ट क्लास सीजन में 18.50 की औसत से 24 विकेट झटके।

कोच नहीं था, फिर ऐसे बदली कहानी

हालांकि इसके बाद का दौर उनके लिए आसान नहीं रहा। अगले तीन फर्स्ट क्लास सीजन में वह सिर्फ 22 विकेट ही ले सके और उनकी गेंदबाजी औसत बढ़कर 42.46 हो गई। आकिब नबी के प्रदर्शन में आई गिरावट की एक बड़ी वजह व्यवस्थित कोचिंग का अभाव था। उनकी हाई-आर्म एक्शन से स्विंग गेंदबाजी स्वाभाविक रूप से होती थी, लेकिन शुरुआती वर्षों में उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन लगभग नहीं मिला। इसके बाद उनका करियर कुछ समय के लिए ठहर सा गया। तीन घरेलू सीजन में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके। उस दौर को याद करते हुए वह कहते हैं, 'जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ में गेंदबाजी कोच नहीं था। मुझे यह बताने वाला कोई नहीं था कि मैं कहां गलती कर रहा हूं।' यहीं से उनकी जिंदगी में गेंदबाजी कोच पी. कृष्णकुमार की एंट्री हुई। कृष्णकुमार ने सिर्फ उनकी तकनीक नहीं सुधारी, बल्कि सोच भी बदल दी। गेंद की ग्रिप, सीम पोजिशन, रन-अप और मानसिक मजबूती, हर पहलू पर काम हुआ। आकिब कहते हैं, 'कोच ने मेरी छोटी-छोटी गलतियां पकड़नी शुरू कीं और बताया कि उन्हें कैसे सुधारना है। पहले मैं सिर्फ नतीजों के बारे में सोचता था, लेकिन अब दबाव को संभालना सीख गया हूं। मैं सिर्फ वही करता हूं, जो कोच कहते हैं।'

अदालत के फैसले का दुख है, पहलवान लड़ाई जारी रखेंगे: बजरंग सिंह पूनिया

एजेंसी, नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के मामले में बरी कर दिया। कोर्ट ने सबूतों का अभाव बताते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट के इस निर्णय पर भारतीय पहलवान बजरंग सिंह पूनिया ने दुख जताया है।

बजरंग ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हमें सड़क पर उतरने और सत्ताधारी पार्टी के एक बाहुबली नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के लिए बहुत हिम्मत जुटानी पड़ी थी।

सत्ता और अपने बाहुबल के दम पर बृजभूषण ने कई लड़कियों को डराकर उनके नाम वापस करवाए हैं। पर कई महिला पहलवान खड़ी रहीं और कोर्ट में बृजभूषण के खिलाफ लड़ाई लड़ती रहीं। हमें इस बात का बहुत दुख है कि अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन हिंसा के आरोपों में दोषी नहीं माना।'

बृजभूषण सिंह को बरी किए जाने पर भड़कीं विनेश फोगाट

पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ (हत्रक) अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की अदालत से बरी किए जाने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि महिला पहलवान इस फैसले से निराश हैं, लेकिन उनकी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। उन्होंने साफ किया कि अदालत के इस फैसले के खिलाफ जल्द ही उच्च न्यायालय में अपील की जाएगी।

'पूरा सिस्टम बृजभूषण को बचाने में लगा था'

सोशल मीडिया पर जारी बयान में विनेश फोगाट ने आरोप लगाया कि शुरूआत से ही सत्ता और व्यवस्था ने बृजभूषण शरण सिंह को बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'सत्तारूढ़ दल के एक ताकतवर नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए हमें सड़कों पर उतरना पड़ा। बृजभूषण ने अपने राजनीतिक प्रभाव और ताकत का इस्तेमाल कर कई महिला पहलवानों पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया।'

बजरंग ने आरोप लगाया कि सरकार से लेकर पूरा सिस्टम शुरूआत से ही बृजभूषण को बचाने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने आगे लिखा, 'पहले दिन से ही सारा तंत्र, सरकार और ये सिस्टम बृजभूषण को बचाने के लिए लगा हुआ है। महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को इस फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्देश दे दिया है और यह जल्द से जल्द की जाएगी। हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।'

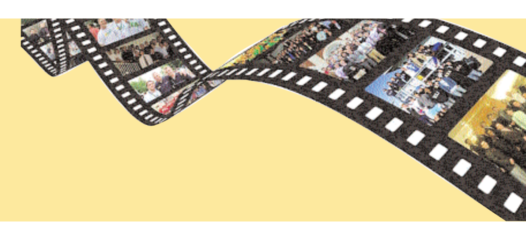

मनोरंजन

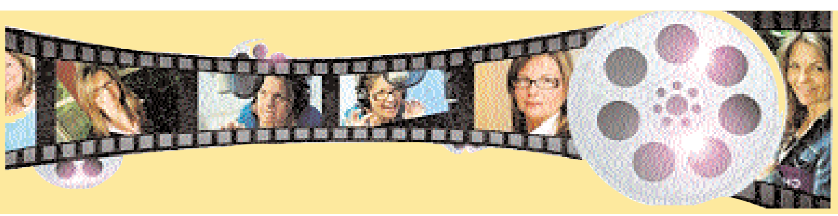

'कई आर्टिस्ट के लिए नए रास्ते खोले हैं', अपने नए गाने को लेकर उत्साहित नोरा फतेही

नोरा फतेही ने अपने नए गाने 'स्ले टू द रिदम' को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने बताया है कि यह गाना क्यूं बहुत खास है। उन्होंने इसे गर्मियों का गाना कहा है।

अभिनेत्री और गायिका नोरा फतेही ने हाल ही में अपना नया गाना 'स्ले टू द रिदम' रिलीज किया है। इस गाने को संजॉय ने लिखा है और इसमें यासीन इदरीसी और नोरा फतेही की आवाज है।

क्यों चर्चा में है गाना?

'चैंपियंस' और 'लॉक्ड इन' की कामयाबी के बाद नए गाने 'स्ले टू द रिदम' ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। यह गाना अपनी शानदार बीट्स, जोश भरे विजुअल्स, जबरदस्त रिदम के साथ डांस और म्यूजिक को लेकर चर्चा में है। जब से इसकी पहली झलक सामने आई है, फैंस इसका आनंद ले रहे हैं।

गर्मियों का है गाना

नोरा फतेही ने इस नए गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, 'यह गर्मियों का एक जबरदस्त गाना है। यह दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है। यह गाना इस बात का सबूत है कि कैसे इसने दुनियाभर के लोगों को जोड़ा है। इसने मुझ जैसे आर्टिस्ट के लिए कई रास्ते खोले हैं। यह म्यूजिक और डांस का जश्न है।'

कई रास्ते खुले

उन्होंने कहा, 'ये दोनों चीजें ही हैं जिन्होंने मेरे लिए कई रास्ते खोले और मुझे आप सभी से जोड़ा! डांस और म्यूजिक ने मुझे दुनिया भर की सैर कराई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया! मुझे उम्मीद है कि यह गाना आपको समाज की सोच से आजाद होने और हमेशा अपने दिल की बात सुनने के लिए प्रेरित करेगा।'

गाने के आखिर में दिया गया क्रेडिट

म्यूजिक वीडियो में शामिल सभी डांसर्स और परफॉर्मर्स को गाने के आखिर में क्रेडिट दिया गया है और उनके योगदान को दिखाने के लिए उन्हें खास स्क्रीन टाइम भी दिया गया है।

नोरा नए आर्टिस्ट्स को देती हैं प्लेटफॉर्म

नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं। यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।

'ये बहुत घिनौना है',

'टॉक्सिक' के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा आडवाणी के समर्थन में बोलीं हुमा

हुमा कुरैशी ने 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' में कियारा आडवाणी के इंटीमेट सीन्स को लेकर हो रही आलोचना पर ट्रोल्स को फटकार लगाई है।

दरअसल, 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' में कियारा आडवाणी और यश के इंटीमेट सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। कुछ लोग कियारा के शादीशुदा होने और मां बनने के बाद ऐसे सीन्स करने पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, यश भी शादीशुदा हैं, लेकिन उन्हें इस मामले में काफी कम आलोचना का सामना करना पड़ा है।

मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे

इस मुद्दे पर बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि उन्हें लगता है कि फिल्म 'टॉक्सिक' आखिर में सबको गलत साबित करेंगी। उनका इशारा इस बात की तरफ था कि फिल्म रिलीज होने के बाद आलोचना अपने आप शांत हो जाएगी।

कियारा की हो रही ट्रॉलिंग

गौरतलब है कि 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' के रिलीज होने के बाद से ही कियारा आडवाणी को उनके इंटीमेट और बोल्ड सीन्स के लिए लगातार ट्रोल किया जा रहा है। मामला सिर्फ यहीं तक नहीं रुका, बल्कि ट्रोल्स ने उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी निशाना बनाया और उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स पर भी इसी तरह के कमेंट करने लगे।

'टॉक्सिक' के बारे में

इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

लगानी थी बल्ला की फैक्ट्री, अब दिवाकर गारमेंट्स बनी पहचान

गुणवत्ता और एक दाम के बूते साढ़े तीन दशक से चढ़ रहे कारोबार के नए आयाम

उत्तम उद्यमी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सोरों कटरा स्थित दिवाकर गारमेंट्स आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। बेहतरीन गुणवत्ता और एक दाम के हिमायती ग्राहकों के लिए ये जाना पहचाना नाम चर्चित है। साढ़े तीन दशक के इस सफल सफर में कारोबार जगत में कई बार उतार चढ़ाव आए लेकिन, दिवाकर गारमेंट्स पर इन सब हालातों का कोई असर नहीं पड़ा। पारदर्शिता और स्पष्टवादिता इनकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।

जयपुर हाउस निवासी दिवाकर महाजन ने ये सफर कुछ और सोचकर शुरू किया था। स्नातक करने के बाद कुछ काम सीखने के उद्देश्य से दिल्ली गए। एक रिश्तेदार का खेल के सामान बनाने का कारोबार था। कुछ समय रुककर वहां काम सीखा। क्रिकेट के बल्ला बनाने की फैक्ट्री आगरा में स्थापित करने का विचार आया। उस समय जम्मू कश्मीर में बल्ला बनाए जाते थे। मगर, जम्मू कश्मीर सरकार के

एक आदेश कि उनके राज्य से लकड़ी दूसरे राज्य में नहीं जाएगी, ने फैक्ट्री का सपना तोड़ दिया। दिवाकर बताते हैं कि इसके बाद हमने खेल के सामान का कारोबार सोरों कटरा स्थित दुकान में 1989 में शुरू किया। खेल प्रेमियों के बीच दिवाकर स्पोटर्स प्रचलित हो गया।

गारमेंट्स की ओर कैसे मुड़े

दिवाकर बताते हैं कि ये 1989 की बात है।

उस समय रेडीमेड गारमेंट का फैशन शुरू ही हुआ था। जींस तो युवाओं का पेशन बनने लगा था। हमने उसी समय खेल के सामान के साथ ही गारमेंट्स का भी कारोबार शुरू कर दिया। दिल्ली और अन्य शहरों से रेडीमेड गारमेंट लाकर बेचने लगे। वे बताते हैं कि 1993 में आगरा में जींस केवल दो जगह ही मिलती थी। एक हमारे यहां और दूसरी शहजादी मंडी में।

गारमेंट्स में पहचान कैसे मिली

दिवाकर बताते हैं कि हमने खेल के सामान की बिक्री के दौरान ही एक सिद्धांत बना लिया था। गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेंगे, उत्पाद के उचित दाम फिक्स रखेंगे। गारमेंट्स में भी इसी सिद्धांत पर डटे रहे। गुणवत्ता के लिए हमने सेमी ब्रांडेड कंपनियों के उत्पाद लाने शुरू कर दिए। ग्राहकों को हमारा उत्पाद और सिद्धांत पसंद आने लगा और उनके प्यार लगाव से आज हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। वे बताते हैं कि धीरे-धीरे हमने खेल के सामान का कारोबार बंद कर दिया और अब पूरा ध्यान रेडीमेड गारमेंट्स पर रहता है।
समय के साथ फैशन से कैसे जुड़े रहते हैं दिवाकर के साथ उनके भाई अनूप महाजन भी कारोबार में जुटे हुए हैं। केमिस्ट्री में पीजी अनूप ने भी सरकारी नौकरी के लिए प्रयास किए लेकिन, सफलता नहीं मिली तो भाई के साथ आ गए। अनूप बताते हैं कि वैसे तो हमारे यहां हर सीजन के फैशनेबुल गारमेंट्स मिल जाते हैं, इसके लिए भाई दिवाकर विभिन्न शहरों में निरंतर भ्रमण करते रहते हैं। अनूप दावा करते हैं कि यही कारण है कि उनके यहां बाजार के नए ट्रेंड के सभी गारमेंट्स उपलब्ध रहते हैं।

नोट- यदि आप भी व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े हैं और अपने पुरुषार्थ से समाज और व्यवसाय को एक नई दिशा प्रदान की है तो अपने इस अद्भुत संघर्ष और सफलता की पूरी कहानी हमें 9412359817 पर व्हाट्सअप करें।